संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शनिवार, 16 मार्च 2024 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 74 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

महाराष्ट्र केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में 2.5 एकड़ जमीन खरीदने वाला है। ऐसा करने वाला यह पहला राज्य है।

आदर्श विचार

"शिक्षा और ज्ञान उसी को मिलता है जिसमें जिज्ञासा होती है।"

भागवद्

मन की बात

"जब तक जीना, तब तक सीखना अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक हैं।"

स्वामी विवेकानंद

तीसरी आंख

विपक्ष पर जमकर बरसे पीएम

● हमारे नाम पर कई स्कीम और उनके नाम पर स्कैमः पीएम नरेंद्र मोदी

चुनावी समर

जम्मू-कश्मीर के लोगों ने देश को तोड़ने का सपना देखने वालों को नकार दिया है: पीएम मोदी

टीम एक्शन इंडिया

कन्याकुमारीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर दक्षिण भारत के दौरे पर हैं। पीएम मोदी और भाजपा का फोकस दक्षिण की करीब 129 लोकसभा सीटों पर है। इस कड़ी में पीएम मोदी तमिलनाडु पहुंचें। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज कन्याकुमारी से देश के इस दक्षिणी छोर से जो लहर उठी है ये लहर बहुत दूर तक जाने वाली है। "आज कन्याकुमारी से देश के इस दक्षिणी छोर से जो लहर उठी है ये लहर बहुत दूर तक जाने वाली है। मैं 1991 में एकता यात्रा लेकर कन्याकुमारी से कश्मीर गया था, इस बार मैं कश्मीर से कन्याकुमारी आया हूं। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने देश को तोड़ने का सपना देखने वालों को नकार दिया है। अब तमिलनाडु के लोग भी ऐसा ही करने जा रहे हैं। मैं तमिलनाडु की धरती पर बहुत बड़े परिवर्तन की आहट देख रहा हूं। भाजपा का प्रदर्शन इस बार डीएमके और कांग्रेस के इंडिया गठबंधन का सारा घमंड तोड़ कर रख देगा।"

विपक्ष पर जमकर किया कटाक्षः पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, "हमने ऑप्टिकल फाइबर और 5जी दिया, हमारे नाम पर डिजिटल इंडिया स्कीम है। इंडी अलायंस के नाम पर लाखों करोड़ रुपए का 2जी का स्कैम है और डीएमके उस लूट की सबसे बड़ी हिस्सेदार थी। हमारे नाम पर उड़ान स्कीम है, इंडी अलायंस के नाम हेलीकॉप्टर स्कैम है। हमारी खेलो इंडिया और स्कीम्स से देश ने खेलों में ऊंचा मुकाम हासिल किया, लेकिन उनके नाम पर सीडब्ल्यू स्कैम का दाग है।" "इंडी अलायंस कभी भी तमिलनाडु को विकसित नहीं बना सकता। इन लोगों की राजनीति का आधार लोगों को लूटने के लिए सत्ता में आना है। एक तरफ भाजपा की कल्याणकारी योजनाएं होती हैं, तो दूसरी ओर इनके करोड़ों के घोटाले होते हैं।"

किसान क्रेडिट कार्ड योजना में शामिल होंगे मछुआरेः पीएम

`प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, "डीएमके तमिलनाडु के भविष्य की ही दुश्मन नहीं है, डीएमके तमिलनाडु के अतीत की, उसकी विरासत की भी दुश्मन है। हम तमिलनाडु के बंदरगाह बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं। मैंने हाल ही में थूथुकुडी में चिदंबरनार बंदरगाह का उद्घाटन किया है।" उन्होंने कहा, "हमारी सरकार मछुआरों के कल्याण के लिए भी काम कर रही है। उन्हें आधुनिक मछली पकड़ने वाली नौकाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने से लेकर किसान क्रेडिट कार्ड योजना के दायरे में लाने तक, हमने उनकी जरूरतों का ख्याल रखा है।" उन्होंने कहा, "डीएमके और कांग्रेस तब भी चुप बैठी रही, जब जल्लीकट्टू पर पाबंदी लगी थी। ये लोग तमिल संस्कृति को नष्ट करना चाहते हैं। ये हमारी सरकार है, एनडीए की सरकार है जिसने जल्लीकट्टू को पूरे उत्साह के साथ मनाए जाने का रास्ता साफ किया। जब दिल्ली में संसद की नई इमारत बनी तो तमिल संस्कृति के प्रतीक, इस धरती के आशीर्वाद स्वरुप पवित्र सेंगोल को हमने नए भवन में स्थापित किया, लेकिन इन लोगों ने इसका भी बॉयकॉट किया, उन्हें सेंगोल की स्थापना पसंद नहीं आई।" पीएम मोदी ने कहा, "इंडी अलायंस के ये लोग तमिलनाडु के लोगों की जिंदगियों से खिलवाड़ के भी जिम्मेदार हैं। श्रीलंका में हमारे मछुआरे भाइयों को फांसी की सजा दी गई थी, ये मोदी चुप नहीं बैठा। हर रास्ते का इस्तेमाल किया और हर प्रकार का दबाव बनाया और मैं उन सभी मछुआरों को श्रीलंका से फांसी के फंदे से उतारकर वापस लाया।"

'बेहतरीन होगा तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन'

तमिलनाडुः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तमिलनाडु के कन्याकुमारी में जनसभा की। पीएम ने कहा- आज कन्याकुमारी से देश के इस दक्षिणी छोर से जो लहर उठी है ये लहर बहुत दूर तक जाने वाली है। मैं 1991 में एकता यात्रा लेकर कन्याकुमारी से कश्मीर गया था, इस बार मैं कश्मीर से कन्याकुमारी आया हूं। उन्होंने कहा- जम्मू-कश्मीर के लोगों ने देश को तोड़ने का सपना देखने वालों को नकार दिया है। अब तमिलनाडु के लोग भी ऐसा ही करने जा रहे हैं। मैं तमिलनाडु की धरती पर बहुत बड़े परिवर्तन की आहट देख रहा हूं। तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन इस बार डीएमके और कांग्रेस के इंडिया गठबंधन का सारा घमंड तोड़ कर रख देगा। पीएम की 17 दिनों में तमिलनाडु की यह दूसरी यात्रा है। इससे पहले 28 फरवरी को उन्होंने थूथुकुडी में 17 हजार 300 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की नींव रखी।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ महिला को सम्मानित करते हुए।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई के लिए आज राजी हो गया है। कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम 2023 को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 21 मार्च को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। इसमें मुख्य न्यायाधीश को चुनाव आयुक्तों के चयन पैनल से हटाने को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी के साथ 2023 के कानून के तहत नए चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्तियों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। , जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश को चयन पैनल से बाहर रखा गया था।

सीएए हमारा आंतरिक मामलाः एस. जयशंकर

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्लीः संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत में सीएए लागू करने को लेकर आपत्ति जताई और कहा कि वह इस पर कड़ी नजर रख रहा है। इसको लेकर भारत ने अब अमेरिका को जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीएए राज्यविहीनता के मुद्दे को संबोधित करता है, मानवीय गरिमा प्रदान करता है और मानवाधिकारों का समर्थन करता है।

भारत ने अमेरिका विदेश विभाग को जवाब देते हुए कहा, "नागरिकता संशोधन अधिनियम अपनी समावेशी परंपराओं, मानवाधिकारों के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए भारत का आंतरिक मामला है। नागरिकता कानून नागरिकता देने के लिए है, यह नागरिकता छीनने के लिए नहीं है।

सीएए के कार्यान्वयन पर अमेरिकी विदेश विभाग के बयान को विदेश मंत्रालय ने गलत, अनुचित और बेतुका बताया है।

चुनावी बॉन्ड की संख्या क्यों नहीं हैः सुप्रीम

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्लीः राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त चुनावी बॉन्ड के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि उसे चुनावी बॉन्ड की संख्या (अल्फा-न्यूमेरिक नंबरों) का खुलासा भी करने को कहा गया था, जो उसने नहीं किया है।

मूल दस्तावेज वापस करने का निर्देशः मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अपने रजिस्ट्रार को मतदान पैनल द्वारा सीलबंद लिफाफे में दाखिल किए गए

डेटा को स्कैन और डिजिटाइज किए जाने के बाद मूल दस्तावेज चुनाव आयोग को वापस करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने इसी के साथ इसे अधिमानतः शनिवार शाम 5 बजे तक पूरा किया जाने की बात कही। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और वकील प्रशांत भूषण की दलीलों पर ध्यान दिया कि एसबीआई द्वारा चुनावी बॉन्ड के अल्फा-न्यूमेरिक नंबरों का खुलासा नहीं किया गया है।

फटकार

सुप्रीम कोर्ट की एसबीआई को फिर फटकार, जारी किया नोटिस, फिर होगी सुनवाई

सीएए मामले पर होगी सुप्रीम सुनवाई

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्लीः नागरिकता संशोधन अधिनियम पर रोक लगाने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए सुप्रीम कोर्ट राजी हो गया है। कोर्ट 19 मार्च को इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। केंद्र सरकार द्वारा सीएए के लिए नियम जारी करने के एक दिन बाद केरल स्थित राजनीतिक दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने नियमों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। केरल स्थित राजनीतिक दल ने मांग की कि इस कानून पर रोक लगान की जरूरत है और इसके जरिए मुस्लिम समुदाय के व्यक्तियों के खिलाफ कोई कठोर कदम नहीं उठाया जाए। असम से कांग्रेस सांसद अब्दुल खालिक और अन्य ने भी नियमों पर रोक लगाने के लिए आवेदन दायर किए।

याचिका में कहा गया है कि ये कानून स्पष्ट रूप से मनमाने हैं और केवल उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर व्यक्तियों के एक वर्ग के पक्ष में अनुचित लाभ पैदा करते हैं, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत अनुमति योग्य नहीं है।

मामला कोर्ट में

सुप्रीम कोर्ट में सभी याचिकाओं पर 19 मार्च को होगी सुनवाई

ज्ञानेश-सुखबीर ने संभाला चुनाव आयुक्त का पदभार

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्लीः नवनियुक्त चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण कर लिया। दोनों चुनाव आयुक्तों का स्वागत मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने किया। पूर्व नौकरशाहों को गुरुवार को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था। आयोग में दोनों ही पद हाल ही में अरुण गोयल के इस्तीफा देने और अनूप चंद पांडेय के 14 फरवरी को सेवानिवृत्त होने के चलते खाली हो गए थे। सुखविंदर संधू, पंजाब मूल के हैं और उत्तराखंड के चीफ सेक्रेटरी और एनएचएआई के चेयरमैन रह चुके हैं।

बीआरएस नेता के कविता को ईडी ने गिरफ्तार किया

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्लीः दिल्ली शराब घोटाले मामले में ईडी ने तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर की बेटी और विधायक के. कविता को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसी उन्हें पूछताछ के लिए दिल्ली ला जा रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह इफ्र नेता कविता के हैदराबाद स्थित घर पर छापेमारी की थी। कविता ने जांच एजेंसी के कई समन नजरअंदाज किए थे, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। कविता तेलंगाना में विधान परिषद की सदस्य हैं। ईडी ने कविता की गिरफ्तारी का लेटर जारी किया है।

मार्च 2023 में ईडी ने दिल्ली शराब घोटाले मामले में के.कविता का नाम भी शामिल किया था। ईडी ने जांच को लेकर कुछ डॉक्यूमेंट्स कोर्ट में पेश किए थे। इसमें कविता का नाम भी था। उन पर अअढ नेताओं को 100 करोड़ भुगतान कराने का आरोप है।

'लोकतंत्र को कमजोर करने वालों को चुनाव में जनता देगी जवाब'

टीम एक्शन इंडिया

रामपुर बुशहरः मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आगामी लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए प्रदेश के लोगों से आह्वान किया कि जो राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का हनन कर लोकतांत्रिक प्रणाली को धन-बल के प्रयोग से कमजोर कर रहे हैं उन्हें लोकतंत्र के महापर्व पर करारा जवाब दें। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में लोग अलोकतांत्रिक हथकंडे अपना रहे ऐसे सभी दलों को करारा सबक सिखाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह बात आज जिला शिमला के रामपुर विधानसभा क्षेत्र के सराहन में भारी जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पन्द्रह-बीस क्षेत्र में उप-तहसील खोलने, ननखड़ी में बस

स्टैंड के निर्माण तथा शॉपिंग कॉम्पलेक्स के निर्माण, नलाटी स्टेडियम का नामकरण पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के नाम से करने, रामपुर में पार्किंग के निर्माण, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला किन्नू का नामकरण शहीद पवन धंगल के नाम से करने, बड़ावली में आईटीआई खोलने तथा सरपारा झील के विकास के लिए 50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की।राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार के खिलाफ वोट करने वाले बागी विधायकों की पार्टी विरोधी गतिविधियों पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए उन्होंने सवाल किया कि उन्हें कौन नियंत्रित कर रहा है? उन्होंने कहा कि धन.बल से लोकतंत्र की हत्या करने वालो के कारनामे जगज-हिर हुए हैं। उनके मनसूबे हिमाचल जैसे शांतिप्रिय प्रदेश में कभी सफल नहीं होंगे क्योंकि यहां की जनता कभी भी अपना ईमान नहीं बेचेगी। हिमाचलवासी सदैव सच और ईमानदारी का साथ देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित कर रही है। इसके फलस्वरूप प्रदेश की आर्थिक स्थिति में आशातीत सुधार हुआ है। प्रदेश सरकार ने कड़े निर्णय लेकर राज्य में व्यवस्था परिवर्तन के ध्येय के साथ सकारात्मक बदलाव लाए हैं। प्रदेश सरकार दृढ़ इच्छाशक्ति से अनेक योजनाएं सफलतापूर्वक कार्यान्वित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने वितरित किये नियुक्ति पत्र

सफलता में अनुशासन की महत्वपूर्ण भूमिका: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

शुभकामनाएं

▶▶इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास परिसर में महिला सशक्तिकरण व बाल विकास विभाग और आबकारी विभाग के अंतर्गत चयनित कुल 27 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। इस दौरान उन्होंने कहा कि जीवन के निर्माण व सफलता में अनुशासन की महत्वपूर्ण भूमिका है।इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपके अथक परिश्रम के परिणामस्वरूप, आपका चयन इन पदों पर हुआ है। उन्होंने कहा कड़ी मेहनत, परिश्रम करने वाले आज सभी मेहनती यवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे हैं।
उन्होंने अनुशासन का जिक्र करते हुये कहा कि जीवन के निर्माण व सफलता में अनुशासन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिये अपने जीवन में हमेशा अनुशासित होकर कार्य करें।
मुख्यमंत्री ने नकल विरोधी कानून का जिक्र करते हुये कहा कि राज्य सरकार ने कड़ा नकल विरोधी कानून बनाकर 100 से अधिक नकल माफियाओं को सलाखों के पीछे भेजा है और परीक्षाओं को पारदर्शी बनाया है, जिससे मेहनती युवाओं को उनकी मेहनत का सुफल प्राप्त हो रहा है।
नियुक्ति पाने वाले में 16 सुपरवाइजरों और आबकारी विभाग के अंतर्गत चयनित 10 निरीक्षक व 01 कनिष्ठ सहायक है।
इस अवसर पर सचिव तथा निदेशक महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग, आबकारी विभाग के अधिकारी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

अभिगृहीत बैरागी कैंप में लगा सात दिवसीय शिविर

एनएसएस शिविर

▶▶राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई चार ने अभिगृहीत मालिन बस्ती बैरागी कैंप में एनएसएस शिविर लगाया

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गुरुकुल कांगड़ी विश्व विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई चार ने अभिगृहीत मालिन बस्ती बैरागी कैंप में एनएसएस विशेष शिविर लगाया। शिविर में संकायाध्यक्ष प्रो. विपुल शर्मा ने स्वयंसेवकों को विशेष शिविर के सामाजिक चेतना एवं विशेष जन जागरूकता अभियानों को बेहतर तरीके से करने के लिए प्रोत्साहित किया। शिविर के प्रथम दिन में बौद्धिक सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने विकसित भारत के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मयंक पोखरियाल ने बताया कि भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवम खेल मंत्रालय द्वारा प्रायोजित विशेष शिविर 13 से 19 मार्च तक चलेगा। इस दौरान स्वयंसेवकों को विभिन्न कार्यों को करने का अनुभव प्राप्त करेंगे। शिविर में योग एवम प्राणायाम, बौद्धिक सत्र, परियोजना कार्य, जनजागरूक्ता अभियान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएंगे। प्रथम दिन के सांस्कृतिक सत्र में शुभम गौतम, संजीव कुमार, आकाश, अयान, उमेर, सिद्धार्थ गंगुले, सुधांशु, रोहित चौधरी आदि ने प्रस्तुति दी। शिविर बैरागी कैंप स्थित गंगा योग न्यास देवपुर अहतमाल, कनखल में चल रहा है।

ब्लैक बेल्ट विजेता बच्चों को किया सम्मानित

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
अपर निदेशक प्रशिक्षण एवं सीनियर पी.सी.एस. अधिकारी ऋचा सिंह ने हल्द्वानी आईटीआई में कराटे गेम्स के ब्लैक बेल्ट विजेता बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर उनका सम्मान किया। कोच वीरेंद्र राठौड़ द्वारा प्रशिक्षित 6 बच्चों ने ब्लैक बेल्ट हासिल किया है।
कोच वीरेंद्र राठौड़ ने बताया कि बच्चों ने कराटे गेम्स के प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद उन्हें ब्लैक बेल्ट मिली है। जिसमें मुख्य रूप से पावना खाती, फरीन सैफी, विशाल डसीला, कनिका जोशी, रिया जोशी एवं हर्षित जोशी ने पिछले 4 सालों की कड़ी मेहनत के बलबूते ब्लैक बेल्ट हासिल किया है।

मंत्री जोशी ने विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

मंत्री ने कहा

▶▶केन्द्र सरकार ने देश भर की तीन करोड़ बहिनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की ओर से शुक्रवार को हाथीबड़कला स्थित कैंप कार्यालय में मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत 690.79 लाख की लागत से विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया गया।
इस मौके पर मंत्री गणेश जोशी ने दून विहार पेयजल योजना, जाखन व विजय कॉलोनी वार्ड की सड़कें और विभिन्न स्थानों पर पार्क निर्माण के लिए आयोजित लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि विगत एक सप्ताह से लगातार मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अलग-अलग वार्डों कॉलोनियों में विभिन्न विभागों की ओर से स्वीकृत लाखों करोड़ों की विकास योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जा रहा है।
उन्होंने कहा डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास के ध्येय वाक्य के साथ कार्य कर रही है।मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार ने देश भर की तीन करोड़ बहिनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025 तक प्रदेश की सवा लाख बहिनों के लक्ष्य को बढ़ाकर 1.50 (डेड लाख) बहिनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया है। कांग्रेस सरकार में शिलान्यास होता था, लेकिन उसका लोकार्पण नहीं हो पाता था।
मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार जिस विकास योजना का शिलान्यास करती है, उसका लोकार्पण भी करती है। उन्होंने कहा जिन विकास योजनाओं का अभी तक मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शिलान्यास किया गया है, उनका एक साल के भीतर लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ करने और निर्धारित समय पर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।
मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार न केवल प्रदेश में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बना रही है बल्कि प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं को पूर्ण कर एक सशक्त उत्तराखंड के निर्माण की दिशा में कार्य कर रही है।
इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, ज्योति कोटिया, महामनगर महामंत्री सुरेंद्र राणा, विष्णु गुप्ता, संध्या थापा, निर्मला थापा, संजय नौटियाल, सतेंद्र नाथ, कमल थापा, मंजीत रावत, एमडीडीए के उद्यान

संक्षिप्त खबरें

निरंजन पीठाधीश्वर को सुरक्षा देना दुर्भाग्यपूर्ण: प्रबोधानंद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामण्डलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद गिरि महाराज ने अपहरण जैसे मामले में आरोपित व्यक्ति को वाई श्रेणी जैसी सुरक्षा उपलब्ध कराने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए तत्काल सुरक्षा वापस लेने की सरकार से मांग की।
वरिष्ठ महामण्डलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद गिरि महाराज ने कहाकि निरंजन पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि पर अपहरण का गंभीर आरोप है और घटना के बाद से वह लगातार फरार भी हैं। इतना ही नहीं उनके अयोध्या में घर की इसी मामले में कुर्की तक हो चुकी है। बावजूद इसके सरकार ने उन्हें सुरक्षा मुहैय्या करायी हुई है। उन्होंने कहाकि जो व्यक्ति स्वंय गंभीर मामले में आरोपित हो उसे सुरक्षा मुहैय्या कराना दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को ऐसे व्यक्तियों की सुरक्षा तत्काल वापस लेनी चाहिए तथा उन पर लगे गंभीर आरोपों की भी जांच की जानी चाहिए, की आखिर इतने गंभीर आरोप होने के बाद भी व्यक्ति कैसे कानून को धोखा दे रहा।

मिलिए साहिरा नायर से: जो एमेजॉन प्राईम वीडियो पर स्टोरीटेलर के रूप में रचनात्मकता का नया दौर बना रही हैं

देहरादून। महिलाएं हमेशा से पत्नी, माँ, बेटी और प्रोफेशनल्स के रूप में बहुआयामी भूमिकाएं निभाते हुए अभूतपूर्व दृढ़ता और कौशल का परिचय देती आई हैं। उनकी प्रेरणाप्रद कहानियों से आधुनिक जीवन की चुनौतियों को संभालने और सफलता के अद्वितीय मार्ग का निर्माण करने की उनकी क्षमता प्रदर्शित होती है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ह्यइंस्पायर इंक्लुजनह्ल की थीम के अंतर्गत एमेजॉन का ह्यशी इज एमेजॉनह्ल अभियान उन अद्भुत महिलाओं को सम्मानित कर रहा है, जो ज्यादा मित्रवत और समानतापूर्ण समाज के निर्माण में योगदान दे रही हैं, जिसमें हर व्यक्ति को अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करने का अवसर मिले।
ऐसा ही एक उदाहरण प्रस्तुत किया है साहिरा नायर ने, जो एमेजॉन प्राईम वीडियो में ओरिजनल हिंदी कंटेंट के लिए क्रिएटिव डेवलपमेंट एग्जिक्यूटिव हैं। मनोरंजन उद्योग में साहिरा का सफर 8 वर्ष की उम्र में शुरू हुआ, जब उन्हें ह्यमिसिसिपी मसालाह्ल और ह्यद नेमसेकह्लह्ल में पहली बार काम करने का अवसर मिला। इसके बाद उन्होंने न्यूयार्क से ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद ह्यसोप्रैनोस (सीजन 6)ह्ल, ह्यरेस्क्यू मीह्ल, ह्यगॉसिप गर्लह्ल, ह्यसीएसआई एनवाईह्ल जैसी लोकप्रिय सीरीज और ह्यइंचौंटेडह्ल, ह्यदार्जिलिंग लिमिटेडह्ल, ह्यटेंडरनेसह्ल, और ह्यद गुड शेफर्डह्ल जैसी फिल्मों के लिए काम किया। इंडस्ट्री की बड़ी हस्तियों के साथ काम करने के इन शुरूआती अनुभवों ने उनके सफल करियर की नींव रखी।
2019 में एमेजॉन के लिए काम करने का निर्णय साहिरा के जीवन का एक बड़ा मोड़ था। अब वो एमेजॉन में ऑथेंटिक और हाई क्वालिटी की स्टोरीटैलिंग का निर्माण करने के लिए काम करती हैं। वो पूरे देश में क्रिएटर्स और टेलेंट के साथ बात करके गठबंधन करती हैं। कहानियों को आकार देने और स्टोरीटेलिंग की सीमाओं का विस्तार करने में उन्हें काफी आनंद मिलता है, और एमेजॉन प्राईम वीडियो पर ओरिजनल हिंदी कंटेंट के बहुआयामी परिदृश्य की ओर उनकी प्रतिबद्धता मजबूत होती है।
अपने इस सफर के बारे में उन्होंने कहा कि मुझे कैमरा के सामने से लेकर उसके पीछे काम करते हुए विभिन्न विभागों का बहुमूल्य अनुभव मिला। इस विस्तृत अनुभव ने मुझे कंटेंट निर्माण और स्टोरीटेलिंग को गहराई से समझने में मदद की। स्टोरी कैसे जन्म लेती है, शब्दों में कैसे जान आती है, इन पेचीदगियों और एक सीरीज को आकार देने में विभिन्न लोगों की भूमिकाओं को समझकर मुझे काफी अनुभव मिला। एक कहानी को पूरा करने के लिए गाँव में जाने से लेकर खड़े पहाड़ पर चढ़ने तक हर अनुभव को अच्छी तरह समझना होता है।
साहिरा एमेजॉन के अभियानों और कार्यक्रमों में सक्रिय हिस्सा लेती हैं, जिनमें महिलाओं के लिए लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम ह्यपिनाकलह्ल और डीईआई (डाईवर्सिटी, इक्विटी, एवं इंक्लुजन) पर आधारित नियुक्ति कार्यक्रम शामिल हैं। सिंगल मदर के अपने अनुभवों को साझा करते हुए साहिरा का उद्देश्य अन्य लोगों को उम्मीद और आत्मविश्वास प्रदान करना है, जिन्हें अपने काम और माँ का दायित्व निभाने के बीच चुनौती का सामना करना पड़ता है। वो काम करने की इच्छुक महत्वाकांक्षी महिलाओं को यह सुझाव देती हैं कि वो आत्मविश्वास और ज्ञान के साथ आगे बढ़ें, चुनौतियों का सामना करें, और यह विश्वास रखें कि वो अपने काम में बाकी सबसे बेहतर हैं।
साहिरा ने कहा कि एमेजॉन प्राईम वीडियो में हम खुली सोच को बढ़ावा देते हैं और अपनी क्षमताओं को सीमित कर देने वाले पूर्वाग्रहों को ठुकराते हैं। यहाँ हम विविधतापूर्ण कहानियाँ दिखाते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि सभी संस्कृतियों, धर्मों और लिंगों का एक समान प्रतिनिधित्व हो सके। इंक्लुजन केवल एक अवधारणा नहीं है; यह हर किसी को मौका देने की हमारी प्रतिबद्धता है, ताकि वो सभी कहानी में अपनी-अपनी भूमिका निभा सकें। खाली समय में साहिरा घूमना और यात्रा करना पसंद करती हैं। वो हाईकिंग, ट्रेकिंग करना और नई जगहों पर जाना पसंद करती हैं।

एसटीएफ की कुमायूं टीम ने पकड़ी मादक पदार्थों की बड़ी खेप

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
एसटीएफ की कुमायूं टीम ने पुलिस बल के साथ जनपद ऊधमसिंह नगर के थाना पुलभट्टा क्षेत्र से एक करोड़ की तीन क्विंटल डोडा पावडर व साढ़े पांच किलोग्राम अफीम के साथ दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। झारखंड की राजधानी रांची से ट्रक के जरिए मादक पदार्थों की बड़ी खेप रद्दी के बीच में छिपाकर लायी जा रही थी।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि आरोपित बलाका सिंह (32) पुत्र कश्मीर सिंह निवासी ग्राम डलपुरा थाना गदरपुर जनपद उधम सिंह नगर, लवजीत सिंह (21) पुत्र मनजीत सिंह निवासी गोलू टांडा थाना स्वार जिला रामपुर उत्तर प्रदेश को साढ़े पांच किग्रा अफीम व तीन क्विंटल डोडा के साथ गिरफ्तार किया।
दोनों अंतरराज्यीय तस्कर झारखंड की राजधानी रांची से ट्रक के जरिए मादक पदार्थ उत्तराखंड ला रहे थे, जिसकी खपत रुद्रपुर, गदरपुर, बाजपुर आदि क्षेत्रों में की जानी थी। दरअसल, लोकसभा चुनाव व होली पर्व नजदीक है। ऐसे में तस्करों को भारी मुनाफा होने की उम्मीद थी।
आगामी लोकसभा चुनाव व होली पर्व के मद्देनजर उत्तराखंड पुलिस अलर्ट मोड पर है। अवैध तस्करी से लेकर हर गतिविधियों पर कड़ी नजर है। वहीं उत्तराखंड राज्य में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति पर रोकथाम के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के अंतर्गत एसटीएफ को ड्रग तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।
होली पर्व व लोस चुनाव के समय भारी मुनाफा कमाने की उम्मीद पर फिरा पानी
गिरफ्तार तस्करों ने पूछताछ में बताया कि वे दोनों पेशे से ड्राइवर हैं और उत्तराखंड से सामान उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और उड़ीसा आदि राज्यों में ले जाते हैं। वापसी में कभी-कभी मादक पदार्थों की सप्लाई ले आते हैं।
इस बार वे रुद्रपुर स्थित किसी प्लाई फैक्ट्री से प्लाई लेकर रांची गए थे। वापसी में रांची से ट्रक पर ड्रग्स भरकर ला रहे थे, ताकि यहां उसे होली व चुनाव के समय भारी मुनाफे पर बेच सकें।

भक्त प्रह्लाद की प्रतिमा को किया गया स्थापित

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
रामलीला संचालन समिति श्री रामलीला कमेटी के तत्वावधान में शुक्रवार को होली दहन स्थल पर नव निर्मित स्तंभ पर भक्त प्रह्लाद की प्रतिमा को स्थापित किया गया। रामलीला कमेटी के पुरोहित पंडित गोपाल दत्त भट्ट ने स्थापना के बाद पूजन कार्य प्रारम्भ कराया।
यजमान के रूप में कमेटी रिसीवर एपी बाजपेई, मनोज गुप्ता, अतुल अग्रवाल तनुज गुप्ता, विवेक कश्यप, गौरव गुप्ता, प्रशांत अग्रवाल, सुनील कुमार वर्मा, वासु बिष्ट, अमित जोशी, विजय कुमार, सतीश जायसवाल, ओम गुप्ता आदी लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंड: 04 पुलिस अधिकारियों का स्थानांतरण

स्थानांतरण

▶▶पुलिस महानिदेशक ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों का स्थानांतरण किया है

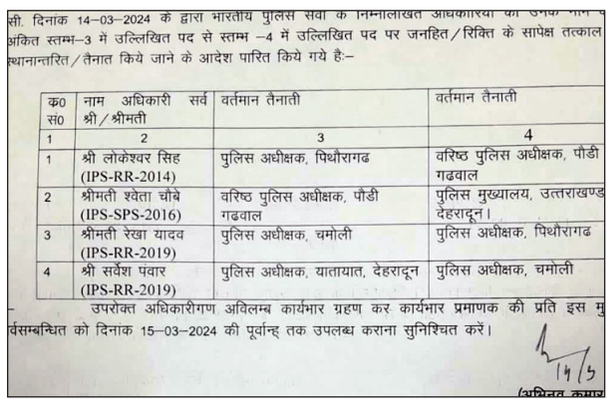

सी. दिनांक 14–03–2024 के द्वारा भारतीय पुलिस सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों का उनके नाम के अंकित स्तम्भ–3 में उल्लिखित पद से स्तम्भ –4 में उल्लिखित पद पर जनहित/रिक्ति के सापेक्ष तत्काल स्थानान्तरित/तैनात किये जाने के आदेश पारित किये गये है:–

क्र0 सं0	नाम अधिकारी सर्व श्री/श्रीमती	वर्तमान तैनाती	वर्तमान तैनाती
1	2	3	4
1	श्री लोकेश्वर सिह (IPS-RR-2014)	पुलिस अधीक्षक, पिथौरागढ	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पौडी गढवाल
2	श्रीमती श्वेता चौबे (IPS-SPS-2016)	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पौडी गढवाल	पुलिस मुख्यालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
3	श्रीमती रेखा यादव (IPS-RR-2019)	पुलिस अधीक्षक, चमोली	पुलिस अधीक्षक, पिथौरागढ
4	श्री सर्वेश पंवार (IPS-RR-2019)	पुलिस अधीक्षक, यातायात, देहरादून	पुलिस अधीक्षक, चमोली

उपरोक्त अधिकारीगण अविलम्ब कार्यभार ग्रहण कर कार्यभार प्रमाणक की प्रति इस मु वसम्बन्धित को दिनांक 15–03–2024 की पूर्वान्ह तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अभिनव कुमार ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 04 अधिकारियों का स्थानांतरण किया है।
डीजीपी अभिनव कुमार की ओर से जारी स्थानांतरण आदेश में आईपीएस लोकेश्वर सिंह पुलिस अधीक्षक, पिथौरागढ से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पौडी गढ़वाल की जिम्मेदारी दी गई है। श्वेता चौबे का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पौडी गढ़वाल से पुलिस मुख्यालय, देहरादून भेजा गया है। रेखा यादव को पुलिस अधीक्षक, चमोली से पुलिस अधीक्षक, पिथौरागढ भेजा गया है जबकि सर्वेश पंवार पुलिस अधीक्षक, यातायात, देहरादून से पुलिस अधीक्षक, चमोली बनाये गये हैं।उपरोक्त अधिकारीगण को अविलम्ब कार्यभार ग्रहण करने को कहा गया है।

सड़क को लेकर हरीनगर-लेटाल के ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

स्थानांतरण

▶▶पुलिस महानिदेशक ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों का स्थानांतरण किया है

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के थराली विकास खंड के हरिनगर लेटाल गांव के ग्रामीणों ने लेटाल गांव में सड़क सुविधा नहीं होने पर तहसील कार्यालय पर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी थराली के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा हैं।
ग्राम प्रधान लेटाल सरोजनी देवी, पूर्व प्रधान दान सिंह करमियाल ने कहा कि ग्रामीण पिछले 20 सालों से हरिनगर लेटाल गांव को सड़क से जोड़ने की मांग करते आ रहे है। लेकिन उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।
उनका कहना है कि सड़क के अभाव में ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि लोनिवि की ओर से सड़क निर्माण के लिए सर्वे तो किया गया लेकिन उसके बाद आगे की कोई कार्रवाई नहीं की गयी। हर बार ग्रामीणों को कोरे आश्वासनों को झुनझुना थमा दिया जा रहा है। मुख्य सड़क मार्ग गांव से तीन से चार किलोमीटर की दूरी पर है जिससे ग्रामीणों को अपने रोजमर्रा की सामग्री को पीठ पर लाद कर पैदल गांव तक पहुंचना पड़ रहा है। सड़क मार्ग के अभाव में गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र ही सड़क निर्माण की कार्रवाई अमल में नहीं लायी जाती है तो ग्रामीणों को लोक सभा चुनाव का बहिष्कार करने को विवश होना पड़ेगा।

लोस चुनाव में डिजिटल हथियार बनेगा एप, आचार संहिता का उल्लंघन पड़ेगा भारी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
लोकसभा चुनाव के दौरान यदि आपके आसपास किसी भी तरह की गड़बड़ी होती है या कोई प्रत्याशी आचार संहिता का उल्लंघन कर रहा है तो इसकी शिकायत निर्वाचन आयोग से आप सीधे कर सकते हैं। आयोग ने यह हक और अधिकार सी विजिल एप के जरिए आपको दिया है। इस डिजिटल हथियार के जरिए आप निष्पक्ष चुनाव में अपनी भागीदारी दर्ज करा सकते हैं।
निर्वाचन आयोग ने चुनाव को पारदर्शी बनाने की कड़ी में सी-विजिल एप को और प्रभावी बनाया है। लोकसभा चुनाव में सी-विजिल एप के इस्तेमाल के लिए कार्मिकों को प्रशिक्षित करने के साथ अब मतदाताओं को भी जागरूक किया जाएगा। इस एप के माध्यम से आम नागरिक निर्वाचन आयोग से किसी भी दल अथवा प्रत्याशी की आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत कर सकेंगे।
यह एप सभी एंड्रायड स्मार्ट फोन पर आसानी से काम करता है। आदर्श आचार संहिता लागू होने पर इस एप को सक्रिय किया जाएगा। खास भक्त यह है कि शिकायतकर्ता को 100 मिनट के भीतर ही आदर्श आचार संहिता उल्लंघन पर की गई कार्रवाई के संबंध में जानकारी भी मिल सकेगी।
सी-विजल एप भारत निर्वाचन आयोग की ओर से तैयार एक आसान एप है। इसके इस्तेमाल के लिए फोन में एक कैमरा, इंटरनेट कनेक्शन व जीपीएस होना चाहिए। शिकायतकर्ता को आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की घटना का वीडियो बनाने के साथ ही संक्षिप्त विवरण के बाद इसे सी-विजिल एप्लीकेशन में लोड करना होगा। शिकायतकर्ता को उसके मोबाइल पर एक यूनिक आईडी मिलेगी। इसके प्रयोग से वह प्रक्रिया का अपडेट ले सकेगा। एप पर शिकायत आते ही वह संबंधित फील्ड यूनिट को भेज दी जाएगी। कुछ ही मिनटों में उड़नदस्ता उस स्थान तक पहुंच जाएगा और कार्रवाई को अंजाम देगा।
फील्ड यूनिट इस कार्यवाही से संबंधित जानकारी रिटर्निंग आफिसर को देगी। घटना सही पाए जाने पर आगे की कार्यवाही को इसे भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय शिकायत पोर्टल पर भेजा जाएगा। शिकायतकर्ता को 100 मिनट के भीतर शिकायत पर की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस एप में शिकायतकर्ता की शिकायत को गुप्त रखने का प्रावधान है।
इस एप का प्रयोग 2019 के चुनाव में भी किया गया था, लेकिन इसका उपयोग अधिकांश चुनाव के दौरान प्रवर्तन कार्यों में लगे अधिकारियों ने किया था। अब इस बार मतदाताओं को भी इसके लिए जागरूक किया जा रहा है।

स्वार्थ से ऊपर उठकर ही मनुष्य परमार्थी बनता है: मुनि डॉ. मणिभद्र

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
राष्ट्र संत, नेपाल केसरी डॉ. मणिभद्र महाराज सर्वोदय शांति यात्रा पर हैं। यह वर्तमान पद यात्रा मेरठ से लेकर बद्रीनाथ धाम तक जाएगी। यात्रा का दो दिवसीय पड़ाव पतंजलि योगपीठ बना है। जहां आज उनकी भेंटवार्ता पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव महाराज से हुई। स्वामी रामदेव ने जैन मुनि का स्वागत करते हुए कहा कि जैन मुनि डॉ. मणिभद्र जैन धर्म के महान संत हैं। उन्होंने कहा कि जैन दर्शन सत्यान्वेषी है, जिसमें जैन श्रमण, साधु, साध्वी एक स्थान पर न रहकर विहार भ्रमण करते रहते हैं, यह यात्रा भी उसी का विग्रह रूप है।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे मुरादाबाद–244001 द्वारा समरणकर्ताओ से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रोनिक निविदा प्रणाली के अन्तर्गत भंडार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	निविदा संख्या	मद का विवरण	मात्रा	बयाना राशि	अनुमानित मूल्य रू	निविदा खुलने की तिथि
01	97245109	डॉपलर के साथ अल्ट्रासाउंड मशीन	1 नग	90000/-	4500000/-	06.04.2024

नोटः– पूर्ण विवरण एवं निविदा शर्ते वैबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। सभी इच्छुक निविदाकर्ताओ को ई. टेडर मे भाग लेने तथा पंजीकरण कराने के लिए भारत सरकार आईटी अधिनियम 2000 के तहत प्राधिकृत प्रमाणित एजेंसी से क्लास III डिजिटल प्रमाण पत्र (यदि पहले से प्राप्त नही किया है) मान्य होगा। मेन्यूल निविदा स्वीकृत नही की जायेगी। पत्र. संः–23/वरि0 म0 सा0 प्र0/2024 दिनांक 12.03.2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
825/24

उत्कृष्ट

साल

निवेश अनुकूल राज्य बनाने के

'डबल-इंजन' विकास मॉडल के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकार मिलकर एक ही मिशन पर फोकस कर रही हैं। यूपी की नई औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 से निवेश और राजस्व के क्षेत्र में नई संभावनाएं सृजित हो रही हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में उद्योगों को फलने-फूलने के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है। अपने इस प्रयास के लिए यूपी को देश में 'अचीवर स्टेट' की उपलब्धि से सम्मानित किया गया है। उत्तर प्रदेश की नई औद्योगिक नीति का उद्देश्य प्रक्रियाओं को सरल बनाना,डिजिटल सिस्टम के माध्यम से काम को समय सीमा के भीतर पूरा करना व पारदर्शिता को बढ़ावा देने के साथ ही समय पर क्लीरियेंस देने के लिए बेहतर सुविधाओं को शामिल करना है। यूपी सरकार का सिंगल विंडो पोर्टल (एसडब्ल्यूपी), जिसे निवेश मित्र के नाम से भी जाना जाता है, यह वर्तमान में राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के एसडब्ल्यूपी के बीच सबसे बड़े सिंगल विंडो पोर्टल में से एक है, जिसमें 37 विभागों की 454 से अधिक सेवाओं को शामिल किया गया है।

वर्ष 2018 में हुए इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 4 .28 लाख करोड़ रुपये से अधिक की निवेश परियोजनाओं पर कार्य शुरू हो चुका है। वहीं, 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनमें से फरवरी, 2024 में आयोजित हुई ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के दौरान 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों को धरातल पर उतारा गया।

पिछले सात वर्षों में सुशासन, बुनियादी ढांचे के विकास और नीतिगत सुधार लागू करने के परिणामस्वरूप राज्य की छवि पूरी तरह से बदल गई है, जिससे अब यूपी व्यापार और निवेश के लिए आदर्श गंतव्य बन गया है। राज्य में फॉर्च्यून ग्लोबल 500 और फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनियों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने के लिए 250 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

'डबल इंजन' सरकार से मिली यूपी के विकास को रफ्तार

संपादकीय

आंदोलनों के बीच चुनाव का इंतजार

देश इस समय अनेक तरह के आंदोलन सड़कों पर देख रहा है। इनमें प्रमुख हैं किसानों का आंदोलन और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की बजाय बैलेट पेपर पद्धति से चुनाव कराने की मांग को लेकर होने वाला आंदोलन, जिनमें ज्यादातर वरिष्ठ वकील एवं सिविल सोसायटियां शामिल हैं। दूसरी तरफ राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' अपने समापन की ओर है। वहीं इस समय बड़ी गहमागहमी सुप्रीम कोर्ट के परिसर में भी है जहां इलेक्टोरल बॉन्ड्स को लेकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को न्यायपालिका के सामने झुकना पड़ा। चुनावी चंदे के रूप में करोड़ों रुपये एकत्र करने वाली नरेन्द्र मोदी की केन्द्र सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी को बचाने की कोशिशों में नाकाम एसबीआई ने आखिरकार केन्द्रीय निर्वाचन आयोग को वह सूची सौंप दी जिसमें बतलाया गया है कि किन 22 हजार से ज्यादा लोगों ने किन दलों को चंदा दिया है। यह सूची आयोग को शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर डालनी है। इसी दिन निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति समेत सम्बन्धित अधिनियम को चुनौती देने वाली एक याचिका पर भी सुप्रीम कोर्ट को उसी दिन सुनवाई करनी है। हालांकि आनन-फानन में केन्द्र सरकार ने दो नये आयुक्तों की नियुक्तियां कर दी हैं। जो भी हो, साफ है कि अब जब कभी भी आम चुनावों की घोषणा हो सकती है, भाजपा कई-कई मुसीबतों के साथ उसका सामना करेगी। आंदोलनों की बात करें तो जो दो प्रमुख आंदोलन सामने हैं, उनमें पहला तो है किसानों का आंदोलन जो अब शम्भू बॉर्डर पार करता हुआ देश की राजधानी दिल्ली तक आ पहुंचा है। कृषि उत्पादों पर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप न्यूनतम समर्थन मूल्य (सी2 प्लस 50 प्रतिशत का फामूर्ला) की मांग को लेकर बुधवार को देश भर के किसान संगठनों ने दिल्ली के जवाहर भवन में बैठक की। इन किसानों की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं- किसानों की कर्ज माफी, मनरेगा के अंतर्गत मजदूरों को 700 रुपये प्रति दिन के हिसाब से 200 दिनों का काम, जमीन अधिकरण कानून, 2013 के तहत भू अधिग्रहण का फामूर्ला तय करना, वन संरक्षण अधिनियम, 2023 को रद्द करना आदि। तय किया गया कि 23 मार्च को देश भर में इन मांगों को लेकर किसान देशव्यापी आंदोलन करेंगे। इसके साथ ही किसान ईवीएम हटाने की भी मांग कर रहे हैं। यही मांग लेकर वकीलों एवं स्वयंसेवी संगठन पहले से ही आंदोलनरत हैं। साफ है कि ऐन चुनाव के पहले इन मांगों को लेकर होने वाले आंदोलनों से भाजपा का परेशान होना लाजिमी है क्योंकि इससे उसके खिलाफ व्यापक जनमत बन रहा है। किसानों ने 2020-21 में इसे लेकर बड़ा आंदोलन छेड़ा गया था जिसके कारण सरकार को वे तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े थे जिनके जरिये मंडी व्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त कर देश का कृषि व्यवसाय निजी हाथों में सौंपने की तैयारी मोदी सरकार ने कर रखी थी। आंदोलन वापसी के समय सरकार ने जो आश्वासन किसानों को दिये थे, उन पर अब तक अमल न होने पर किसानों ने 12 फरवरी से यह आंदोलन पुनः शुरू किया है। इस आंदोलन को दबाने के लिये सरकार ने वे सारे उपाय किये, जो उसने पहले वाले आंदोलन के दौरान किये थे। किसान व ईवीएम विरोधी आंदोलन जिस प्रकार से बड़ा रूप ले रहे हैं, उससे भाजपा विरोधी वातावरण बन रहा है।

दो रुपए की छूट और अरबों की लूट

राकेश अचल

"आप कल्पना कीजिये कि जिस सरकार ने पांच साल में अकेले इलेक्टोरल बांड से 60 अरब कमा लिए वो सरकार महंगाई के जरिये आपको भी लगातार लूटती रही और अब जब आम चुनाव सिर पर हैं तो आपको पेट्रोल-डीजल पर दो रुपए लीटर की छोट देकर या रसोई गैस सिलेंडर पार सौ रुपए की छूट देकर बरगलाना चाह रही है। सत्तारूढ़ दल ने चुनावी चंदे से जुटाई गयी रकम के जरिये देश भर में अपनी पार्टी के लिए 450 आधुनिक कार्यालय बना लिए ,लेकिन भवन विहीन स्कूलों कि फिक्र नहीं की । अस्पताल बनाने को प्राथमिकता नहीं दी।बहरहाल आम चुनाव के जरिये कानून हमें और आपको एक अवसर देता है कि हम इस लूट-खसोट करने वाली संस्था से अपना हिसाब बराबर करें या इस लूट-खसोट को लगातार जारी रखें ! इलेक्टोरल बांड के जरिये की गयी"

आज भारत सरकार को धन्यवाद देने के साथ ही उसकी निंदा करने का भी दिन है। धन्यवाद इसलिए की उसने पूरे पांच साल लूटने के बाद जनता को डीजल और पेट्रोल के दामों में दो रुपए लीटर की छूट देने का ऐलान किया है और निंदा इसलिए की सरकार ने इलेक्टोरल बांड के जरिये पांच साल में 60 अरब का चन्दा ईडी की नोंक पर वसूल लिया। ये दोनों ही बातें चूंकि तथ्यात्मक हैं इसलिए इन्हें लेकर आप खुद फैसला कर सकते हैं कि आपको आने वाले दिनों में लुटेरी सरकार चाहिए या उसका कोई विकल्प।

इसमें कोई दो राय नहीं की हमारी सियासत का ढांचा लोकतान्त्रिक है लेकिन इसमें लूर-खसोट की पूरी गुंजाइश है । पिछले 77 साल में जो भी सत्ता में आया उसने लोक कल्याण के साथ जितना बना देश और देश की जनता को लूटा । किसी ने कम लूटा तो किसी ने ज्यादा लूटा । किसी ने लूटने में उदारता दिखाई तो किसी ने लूटने में पूरी निर्ममता का प्रदर्शन किया। केंद्रीय चुनाव आयोग की वेब साइट पर दशार्ये गए आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि आजादी के बाद कोई सबसे बड़ी लूट मौजूदा सत्ता ने की है। भाजपा की और मोदी की गारंटी वाली सरकार ने पांच साल में इलेक्टोरल बांड के जरिये दस-बीस लाख नहीं बल्कि पूरे 60 अरब रुपए देश के उद्योगपतियों से वसूल किये और वो भी ईडी [प्रवर्तन निदेशालय] की नोंक पर।

आप कहेंगे कि ईडी [प्रवर्तन निदेशालय] कोई चाकू या तलवार तो नहीं है जो उसकी नोंक होती हो ,लेकिन हकीकत ये है कि इस संस्था की नोक इतनी पेनी है कि जिस की भी गर्दन पर रखी गयी उसने मन से या बेमन से इलेक्टोरल बांड खरीदकर भाजपा के खाते में डाल दिए। लूट का ये नायाब तरीका कांग्रेस छह दशक तक देश पर राज करने वाली कांग्रेस भी नहीं खोज पायी थी। केंचुआ की वेब साइट पर आयी 762 पृष्ठों की जानकारी का सार ये है कि भाजपा ने पांच साल में कुल 60 अरब रुपये से अधिक के इलेक्टोरल बॉन्ड को भुनाया है। इस मामले में दूसरे नंबर पर तृणमूल कांग्रेस है, जिसने 16 अरब रुपये से अधिक के इलेक्टोरल बॉन्ड को भुनाया है। राजनीतिक दलों के लिए सबसे

ज्यादा इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने वाली कंपनी फ़्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज है। इस कंपनी ने कुल1368 बॉन्ड खरीदे, जिसकी कीमत 13.6 अरब रुपये से अधिक रही।

लुटेरों की सरताज भाजपा अब यदि रसोई गैस पर 100 रुपए की और पेट्रोल -डीजल पर आपको दो रुपए लीटर की छूट दे रही है तो ये कोई अहसान नहीं बल्कि आने वाले आम चुनावों में आपके अनमोल वोट की सबसे सस्ती कीमत है। अब यदि देश की भोली जनता इस हकीकत को नहीं समझती तो उसका मालिक भगवान ही हो सकता है ,कोई राजनीतिक दल नहीं। राजनितिक दल तो चोर-चोर मौसेरे भाई हैं ,कोई छोटा लुटेरा तो कोई बड़ा लुटेरा । लूटना सभी के डीएनए में शामिल है। देश की जनता का दुर्भाग्य है कि उसे इन्हीं लुटेरों के गिरोहों में से अपने लिए चौकीदार,सेवक,संरक्षक और भाग्य विधाता चुनना है।

मेरा या किसी दुसरे लेखक/पत्रकार का अनुभव मुमकिन है कि कम हो किन्तु रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास के अनुभव से ही हमें सबक लेना चाहिये । खासतौर पर सत्ता के चुनाव के समय के आचरण को देखकर। चुनाव के मौसम में आखिर जनता के ऊपर उपहारों/ रियायतों की बरसात क्यों हो रही है ? सरकार इतनी विनयवत क्यों है ? क्यों झुक रही है ? इस संदर्भ में गोस्वामी तुलसीदास इशारों में कहते हैं कि -

नवन नीच की अति दुखदाई
जिमि धनु,अंकुश ,उरग, बिलाई

मतलब साफ है । वे उदाहरण सहित समझा गए हैं कि जैसे धनुष , अंकुश ,सांप और बिल्ली झुकती है तो दुःख ही देती है अर्थात जिसके स्वभाव में नीचता है वो जब भी झुकेगा आपके ऊपर घात करेगा,इसलिये ऐसे सभी तत्वों से सावधान रहना चाहिये । हमारी सत्ता में धनुष,अंकुश,सर्प और बिल्ली किसी न किसी रूप में विद्यमान है । आज यदि सत्ता रहमदिली दिखा रही है तो समझ लीजिये कि आने वाले दिनों में यही सत्ता आपके ऊपर कहर ढाने वाली है। कहर का रूप कुछ भी हो सकता है । इसे पहचानना आसान नहीं है । ये कभी धाराओं के रूप में होगा तो कभी अध्यादेशों के रूप में। कभी एक देश ,एक विधान,एक निशान,एक भाषा,एक वेश के रूप में होगा तो कभी किसी दूसरे रूप में। फिलहाल तो चुनाव इस विनय की वजह हैं।

आप कल्पना कीजिये कि जिस सरकार ने पांच साल में अकेले इलेक्टोरल बांड से 60 अरब कमा लिए वो सरकार महंगाई के जरिये आपको भी लगातार लूटती रही और अब जब आम चुनाव सिर पर हैं तो आपको पेट्रोल-डीजल पर दो रुपए लीटर की छोट देकर या रसोई गैस सिलेंडर पार सौ रुपए की छूट देकर बरगलाना चाह रही है। सत्तारूढ़ दल ने चुनावी चंदे से जुटाई गयी रकम के जरिये देश भर में अपनी पार्टी के लिए 450 आधुनिक कार्यालय बना लिए ,लेकिन भवन विहीन स्कूलों कि फिक्र नहीं की । अस्पताल बनाने को प्राथमिकता नहीं दी।बहरहाल आम चुनाव के जरिये कानून हमें और आपको एक अवसर देता है कि हम इस लूट-खसोट करने वाली संस्था से अपना हिसाब बराबर करें या इस लूट-खसोट को लगातार जारी रखें !

इलेक्टोरल बांड के जरिये की गयी लूट के जरिये धन वसूली के मामले में तीसरे नंबर पर अखिल भारतीय कांग्रेस समिति है जिसने 14 अरब रुपये से अधिक के इलेक्टोरल बॉन्ड को भुनाया है। इसके बाद भारत राष्ट्र समिति ने 12 अरब रुपये और बीजू जनता दल ने 7 अरब रुपये से अधिक के इलेक्टोरल बॉन्ड को बनाया है। इस मामले में पाँचवें और छठे नंबर पर दक्षिण भारत की पार्टियां डीएमके और वाईएसआर कांग्रेस (युवासेना) रहीं। इन पार्टियों के बाद तेलुगु देशम पार्टी, शिवसेना , राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी, जनता दल (सेक्युलर), सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी, जनसेना पार्टी, अध्यक्ष समाजवादी पार्टी, बिहार प्रदेश जनता दल (यूनाइडेट), झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिरोमणि अकाली दल, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम, शिवसेना, महाराष्ट्रवादी गोमन्तक पार्टी, जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी का नाम शामिल है।

ये आंकड़े मैंने आपको इसलिए बताये ताकि आपको फैसला करने में मदद मिले । आपसब तो केंचुआ कि वेब साइट को खंगाल नहीं सकते। चुनावी साल में राहतों की बरसात में भीगकर जनता अपने दुःख-दर्द को भूलकर क्या फैसला करती है ये तो जनता जाने लेकिन एक बात जरूर है की देश आजदी के बाद के सबसे गंभीर दौर से गुजर रहा है । देश को गरीबी,बेरोजगारी ,बीमारी और शिक्षा के तमाम लक्ष्यों के साथ ही धर्मान्धता से भी जूझना पड़ रहा है। देश में बीते 77 साल में ये सबसे सुर्ख साल है जिसमें धर्मान्धता को सत्ता ने पोषित किया है। सत्ता पोषित धर्मान्धता देश की सबसे बड़ी दुश्मन है ,अन्यथा धर्म तो सनातन है। इतना विषैला पहले कभी न था । धर्म ने इससे पहले कभी समाज को तोड़ने का काम नहीं किया था ,न मुगलों के जमाने में और न अंग्रेजों के जमाने में। ॅ'१ॅ'र1959@ॅ'ड्ढे

कविता

कितना अजनबी, पराया सा दिखता है
वो।

कितना अजनबी,पराया सा दिखता है वो।
अपनी सांसों में छुपा रखता है वो।

रोजाना रूबरू हो न नहो फिर भी।
जेहन में बसा रखता है वो।

कितनी मासूम है माशूका शायद ।
जाते वक़्त वजूद छोड़ अपना जाता है वो।।

बेरुखी का आलम तो देखिए साहेब।
ख्यालों से अपने भिगा जाता है वो।।

इश्क तो रूहानी रिश्ता है जनाब ।
झुकता मैं हूं,सजदे करा जाता है वो।।

महकती रहे महकती सांसों की डोर,
धमनियों में लहू सा बहता रहता है वो।।

उसकी नेकी का सिला देखिये संजीव।
मुझ फकीर से याराना रखता है वो।।

संजीव ठाकुर

बच्चों को प्रेरित करने वाली विज्ञान कथाएँ

विजय गर्ग

बच्चे हमारा भविष्य हैं और उनके दिमाग के विकास के लिए कहानियाँ बहुत महत्वपूर्ण हैं। कहानियाँ उनकी कल्पनाशक्ति को उत्तेजित करती हैं, उनमें मूल्यों की भावना पैदा करती हैं। इस तरह, वे एक खुशहाल और सम्मानजनक दुनिया बनाने में बच्चों का मार्गदर्शन करते हैं। इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने में विज्ञान कथा और पर्यावरण कहानियाँ बच्चों के लिए प्रमुख भूमिका निभाती हैं। कहानियों की यह शैली न केवल बच्चों को अद्भुत दुनिया से अवगत कराती है, बल्कि उन्हें विज्ञान से भी परिचित कराती है।प्रौद्योगिकी और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है। नैतिक मूल्यों के संचार में भूमिका ये भी पढ़ें बच्चों के मन को सीखने के लिए प्रेरित करने वाली विज्ञान कथा बच्चों के मन को सीखने के लिए प्रेरित करने वाली विज्ञान कथा इन कहानियों में अक्सर ऐसे पात्र होते हैं जो प्राकृतिक दुनिया की रक्षा के लिए अनुसंधान करते हैं, जीवित प्राणियों के लिए करुणा और ग्रह संबंधी जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देते हैं। बचपन में पर्यावरण के बारे में पर्याप्त जानकारी प्रदान करके बच्चे पर्यावरण के प्रति जागरूक लोगों के रूप में विकसित हो सकते हैंसंभावना बढ़ जाती है. ऐसे व्यक्ति प्राकृतिक सह-अस्तित्व और जैव विविधता के संरक्षण की आवश्यकता को बहुत गंभीरता से समझते हैं और पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में लाभकारी भूमिका निभाने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं। वैज्ञानिक कहानियाँ और पर्यावरण कहानियाँ न केवल बच्चों में मानसिक विकास और पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करती हैं बल्कि उनमें नैतिक मूल्यों की शिक्षा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनमें से कई कथाएँ न्याय, सामाजिक समानता और प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग के विषयों का पता लगाती हैं। काल्पनिक पात्रों काअनुभवों के माध्यम से, बच्चों को नैतिक दुविधाओं, नैतिक निर्णयों और उनके कार्यों के परिणामों द्वारा निर्देशित किया जा सकता है। रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करता है विज्ञान कथा और पर्यावरण कहानियाँ बच्चों के मानसिक विकास, नैतिक जागरूकता और हमारे ग्रह के सामने आने वाली पर्यावरणीय चुनौतियों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देती हैं। विज्ञान कथा बच्चे की कल्पनाशक्ति को विकसित करने और नई चीजें सीखने की उसकी इच्छा को तीव्र करने में विशेष भूमिका निभाती है। उन्नत प्रौद्योगिकी और ब्रह्मांडीय अंतरिक्ष की भविष्य की दुनिया में साहसी लोगों की कहानी के माध्यम से।बच्चों को बहुत ही रोचक तरीके से वैज्ञानिक अवधारणाओं से परिचित कराया जाता है। विज्ञान लेखक अंतरिक्ष अन्वेषण, समय यात्रा और उन्नत सभ्यताओं के बारे में कहानियाँ बनाते हैं। इन कहानियों के माध्यम से वह बाल पाठकों का मनोरंजन करते हैं और बच्चों को बुनियादी वैज्ञानिक सिद्धांतों से परिचित कराते हैं। इसके अलावा, विज्ञान कथा में अक्सर समस्या-समाधान वाले दृश्य शामिल होते हैं।

विचार

जीवन के श्रेष्ठ लक्ष्य सकारात्मक श्रम और संयम से ही संभव'

संजीव

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैं' जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज में 3% नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

व्यंग्य

बड़े जिगरे का काम है

डॉ. सुरेश कुमार

यह जानते हुए कि सभी चीजें महंगी होती जा रही हैं बावजूद इसके उसे सस्ता कहना, बड़े जिगरे का काम है। यह अंधभक्ति की पराकाष्ठा है। मैं इस पराकाष्ठा का मजा लेने का आदी हो गया हूँ। यह मजा बाहर से मुस्कुराने और भीतर से रोने का टू इन वन अहसास देता है। इसलिए जिनमें देशभक्ति नहीं है उन्हें यह मजा नहीं लेना चाहिए। जो महंगे को सस्ता नहीं कह सकते उनके लिए दो रास्ते हैं- देशद्रोही कहलायें या मर जाएँ। अंधभक्त होना एक महान वरदान है। अंधभक्त न हों तो देश कब का बर्बाद हो जाता। उनके होने से ही निर्बाध गति से साँस ले पा रहे हैं। सूर्य का पूर्व से उदित होना, शाम को पश्चिम में अस्त होना यह सब क्या है? क्या यह सत्तर साल पहले हो पा रहा था? नहीं। कभी नहीं। यह सब तो पिछले कुछ वर्षों से हो रहा है। अभी जो राजाबाबू हैं, वे बड़े ही निहायती और अच्छे किस्म के आदमी हैं। अंधभक्तों की नजर से देखें तो उनमें भगवान नजर आते हैं। बहुत बड़े पद पर हैं। भेष बदलने में नंबर वन हैं। पल में रोना और पल में हँसना उनके बाएँ हाथ का खेल है। खुद किसी को कोई चीज दें तो उसे समय की जरूरत कहेंगे और कोई दूसरा दे दे तो उसे रेवड़ी का टैग लगाकर धोबी पछाड़ का मजा चखायेंगे। हमारे यहाँ चुनाव के दिन चल रहे थे। राजाबाबू अपनी आदत के अनुसार भेष बदलकर हमारे यहाँ पहुँच गए। शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, सड़क आदि छोड़कर शेष सभी विषयों पर घंटों बात करने लगे। न जाने किसी अज्ञानी ने बीच में पूछ लिया कि हमारी जरूरतें कब पूरा होंगी तब उन्होंने भगवान का वास्ता देकर भजन-कीर्तन करने के लिए कहा। उस दिन जाकर पता चला कि वे भगवानों को अपनी जेब में लेकर घूमते हैं। जहाँ जिसकी जरूरत होती है वहाँ उसी भगवान को उतार देते हैं।

मंदिर जाने पर पंडित, मस्जिद जाने पर मौलवी, गिरजाघर जाने पर पादरी और गुरुद्वारे जाने पर पगड़ी बांधे सबसे बड़े भक्त होने का कीर्तिमान स्थापित करते हैं। लोग नौकरी मांगते तो उन्हें दो करोड़ का खाली कटोरा थमा देते। अन्न माँगते तो 370 थमा देते। भाईचारा माँगते तो धर्मों के बीच कबड्डी करवा देते। सुख-शांति मांगते तो तीन तलाक थमा देते।

चुनाव आयोग के मामले पर घिरती केन्द्र सरकार

चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के मामले में केन्द्र सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई करने के लिये अपनी सहमति दे दी है जिसमें केन्द्रीय चुनाव आयोग अधिनियम, 2023 के प्रावधानों को चुनौती देते हुए मांग की गई है कि इस नियम के अंतर्गत चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति न होने दी जाये। यह याचिका कांग्रेसी नेता जया ठाकुर की ओर से सोमवार को दाखिल की गई थी। इसके अलावा एडीआर ने भी मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों के चयन के लिए बनी समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल नहीं किए जाने को चुनौती देने की याचिका दाखिल की थी। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना ने याचिकाकर्ता को सूचित किया कि मुख्य न्यायाधीश ने इसकी सुनवाई की मंजूरी दी है और शुक्रवार (15 मार्च) के लिये इसे सूचीबद्ध किया गया है। यानी उसी दिन इस पर सुनवाई होने जा रही है जिस दिन केन्द्रीय चुनाव आयोग को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से मिली इलेक्टोरल बॉन्डस की पूरी जानकारी अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करनी है। चुनाव के ऐन पहले नरेन्द्र मोदी सरकार ने जिस प्रकार से चुनाव आयोग को विवादास्पद बना दिया है, उम्मीद की जाये कि इस सुनवाई में शीर्ष न्यायालय केन्द्र को अनुकूल आदेश देकर आगामी लोकसभा चुनाव के निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से सम्पन्न होने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इन चुनावों की घोषणा इसी हफ्ते कभी भी होने के अनुमान जताये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में इस वक्त केवल मुख्य आयुक्त राजीव कुमार ही बचे हुए हैं। अनूप चंद्र पांडेय जहां फरवरी में सेवानिवृत्त हो गये वहीं दूसरे आयुक्त अरूण गोयल 8 मार्च को इस्तीफा देकर चलते बने हैं। जाहिर है कि एक विशाल तथा दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश होने का दावा करने वाले भारत का इतना महत्वपूर्ण आम चुनाव एक ही सदस्य के भरोसे नहीं किया जा सकता। भारत सरकार आनन-फानन में दो नये सदस्यों की नियुक्ति करने पर आमादा है लेकिन जिस प्रकार से आयोग के गठन के सारे अधिकार सरकार ने एक तरह से अपने हाथों में पहले से ले रखे हैं, उससे अंदेशा यही है कि जिन दो सदस्यों की नियुक्तियां होंगी वे सरकार के 'यस मेन' की ही हो सकती हैं।

न्यूज फ्लैश

संतोष डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने फाउंडर्स डे इवेंट का सफल आयोजन किया

गाजियाबाद। संतोष डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने हाल ही में अपने फाउंडर्स डे इवेंट का सफल आयोजन किया, जिसका उद्देश्य यूनिवर्सिटी के समृद्ध इतिहास का जश्न मनाना और इसके फाउंडर चेयरमैन, माननीय डॉ. पी. महालिंगम की विरासत का सम्मान करना रहा। उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व छात्र, फैकल्टी, स्टाफ और वर्तमान में अध्ययनरत छात्र एकत्रित हुए और कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। उक्त इवेंट की शुरूआत हाई टी के साथ हुई। इसके बाद यूनिवर्सिटी की विभिन्न फैकल्टीज को उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉ. पी. महालिंगम का प्रेरक भाषण था। उन्होंने अपने भाषण में यूनिवर्सिटी की अब तक की अविश्वसनीय यात्रा पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, इस इवेंट में उन छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने यूनिवर्सिटी से 25 वर्ष पूर्व अपना ग्रेजुएशन पूरा किया था। साथ ही, तब से लेकर अब तक के उनके योगदान और उपलब्धियों पर चर्चा की गई। इसके बाद, नेतृत्व टीम ने भी यूनिवर्सिटी की वर्तमान प्रगति और आने वाले वर्षों के लिए इसके दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार साझा किए, जिनमें चांसलर डॉ. मनोज गोयल और वाइस चांसलर डॉ. तृप्ता एस भगत शामिल थे। इस इवेंट में सरस्वती वंदना के साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। यूनिवर्सिटी में 25 वर्षों से अधिक सेवाएँ देने वाले कर्मचारियों के विशेष अभिनंदन के साथ यह इवेंट संपन्न हुआ। इवेंट का समापन एक शानदार डिनर और संगीतमय रात के साथ हुआ।

ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड ने डीआरएचपी फाइल किया

नोएडा। ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड ("कंपनी"या "टीएलएल") ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ("सेबी") और बीएसई लिमिटेड व नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस ("डीआरएचपी") फाइल किया है।

कंपनी अग्रणी भारतीय इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण ("ईपीसी") कंपनियों में से एक है, जिसके पास लेटिस से संबन्धित संरचनाओं, कंडक्टरों और मोनोपोल के लिए एकीकृत विनिर्माण सुविधाएं हैं। विश्व स्तर पर टर्नकी बेस पर व्यापक समाधान प्रदान करने में टीएलएल का चार दशकों का ट्रैक रिकॉर्ड है और यह बिजली पारेषण और वितरण क्षेत्र में एक विश्वसनीय और दीर्घकालिक भागीदार रहा है।

कंपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से प्रत्येक 2 रुपए अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर ("इक्विटी शेयर") की पेशकश करके धन जुटाने की योजना बना रही है। कुल ऑफर साइज में 4,500 मिलियन (450 करोड़ रुपए) रुपए तक जुटाने के लिए इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और अजंमा होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 10,160,000 इक्विटी शेयरों ("ऑफर फॉर सेल") तक की ऑफर फॉर सेल शामिल है। ("प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर"), ("ऑफर")।

कंपनी ने ऑफर से होने वाली शुद्ध आय का उपयोग 2,500 मिलियन (250 करोड़ रुपए) रुपए तक की वृद्धिशील कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण, 909.02 मिलियन (90.90 करोड़ रुपए) रुपए तक के पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों ("ऑब्जेक्ट ऑफ ऑफर ") के लिए शेष राशि का उपयोग करने का प्रस्ताव दिया है।

क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार, टीएलएल ने 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष में अपने समकक्षों के बीच परिचालन से राजस्व में 35.1% की सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है।

इंगा वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। ("बीआरएलएम")

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल सफेद चोले मे राजनीतिक संत: संजय भाटिया

मनोहर लाल देश में सर्वाधिक मतों से जीत हासिल करेंगे : योगेंद्र राणा

राजकुमार प्रिंस

करनाल: हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को करनाल लोकसभा क्षेत्र का प्रत्याशी बनाए जाने के उपलक्ष्य में भाजपा जिला कार्यालय कर्ण कमल में जश्न मनाया गया। इस अवसर पर सांसद संजय भाटिया, भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, घरौंडा विधायक हरविन्द्र कल्याण, विधायक राम कुमार कश्यप, निवर्तमान मेयर रेणू बाला गुप्ता, पूर्व विधायक भगवान दास कबीरपंथी, सरदार बक्शीश सिंह, मुख्यमंत्री प्रतिनिधि संजय बठला व अन्य प्रमुख कार्यकर्ता व सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के गणमान्य लोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को करनाल से लोकसभा प्रत्याशी बनाए जाने पर खुशी

का इजहार करते हुए होली से पूर्व होली मनाई। सांसद संजय भाटिया के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने एक दूसरे को रंग लगाते ढोल नगाड़ों और डीजे की थाप पर खूब डॉस किया। इस मौके पर सभी नेता व कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को करनाल लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाए जाने पर काफी उत्साहित नजर आ रहे थे। संजय भाटिया ने अपने सम्बोधन में कहा कि उनके स्थान पर मनोहर लाल को टिकट मिलने से वे खुश हैं। वे मनोहर लाल को सफेद चोले में राजनीतिक संत मानते हैं। पार्टी ने उनके बदले में मनोहर लाल को करनाल से प्रत्याशी बनाने पर वह काफी खुश हैं कि करनाल को उनसे अच्छा सांसद मिलेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा व मेयर रेनू बाला ने कार्यकर्ताओं मे जोश भरते हुए कहा कि इस लोकसभा चुनाव में हम सभी मिलकर करनाल लोकसभा चुनाव में हुए पिछली जीत के रिकॉर्ड तोडने का काम करेंगे और करनाल लोकसभा से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पूरे देश मे सर्वाधिक मतों से जिताने का काम करेंगे। करनाल सीट से टिकट मिलने के बाद क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में एक बार फिर उत्साह का माहौल है।

मंगलवार को मनोहर लाल के सीएम पद छोडने के बाद जहां कार्यकर्ता थोड़े मायूस थे, वहीं आज करनाल में मनोहर खेमे के कार्यकर्ता खासे उत्साहित नजर आ रहा था। इस अवसर पर चेयरमैन निर्मला बैरागी, पूर्व मुख्यमंत्री को ओर्डिनेटर जगमोहन आनंद, पूर्व मंत्री शशि पाल मैहता, जिला प्रभारी भारत भूषण जुआल, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष मीना चौहान, जिला महामंत्री सुनील गोयल, जय भगवान सिकरी, जिला उपाध्यक्ष राजबीर शर्मा, प्रवीन लाठर, संजय राणा, रजनी परोचा, जिला सचिव सप गुरबक्श लाडी, मंजू खैंची, सोनिया कश्यप, जिला मीडिया प्रमुख डॉ. अशोक कुमार, मीडिया कॉरडीनेटर मीनाक्षी शर्मा, किसान मोर्चा अध्यक्ष विनय संधू, सहित सभी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, स्थाई अमंत्रित सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य, जिला कायार्कारिणी, सभी मंडल अध्यक्ष, सभी निगम पार्षदगण, नगरपालिका चेयरमैन, ब्लॉक समिति चेयरमैन, व सभी जेष्ठ और श्रेष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रश्मि गोविल ने संभाला इंडियन ऑयल के निदेशक (मानव संसाधन) का पदभार

कमाल हुसैन

पानीपत: रश्मि गोविल ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (इंडियनऑयल), फॉर्च्यून-500 ऊर्जा कंपनी, में निदेशक (मानव संसाधन) का कार्यभार संभाला लिया है। रश्मि गोविल मानव संसाधन में एमबीए और वित्त में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त हैं। 1994 में इंडियनऑयल से जुड़ने के बाद मानव संसाधन के विभिन्न पहलुओं में लगभग उनको तीन दशकों का समृद्ध अनुभव हासिल है। निदेशक (मानव संसाधन) के रूप में नियुक्त होने से पहले, वह कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यालय में कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन विकास और कर्मचारी संबंध) के रूप में कार्यरत थीं। गोविल ने इंडियन ऑयल के रिफाइनरी मुख्यालय में भी काम किया है, साथ ही मथुरा रिफाइनरी यूनिट में चुनौतीपूर्ण कार्यों को पूरा किया है। उनके समृद्ध और विविध अनुभव ने इंडस्ट्रियल रिलेशन्स विशेषज्ञ के रूप में पहचान बनाई है। इसके अलावा मुआवजे, परफोर्मेंस प्रबंधन, भर्ती, नीति निर्माण, उत्तराधिकार योजना और सिस्टम प्रबंधन पर भी उनकी गहरी समझ है। गोविल अपने परिणाम-केंद्रित, सहयोगात्मक और समावेशी शैली के लिए जानी जाती हैं और उन्होंने कंपनी के साथ-साथ उद्योग के लिए कई रणनीतिक पहल की शुरूआत भी की है।

श्री आत्म मनोहर जैन चैरिटेबल अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सेवा का हुआ शुभारंभ

राजकुमार प्रिंस

करनाल। नर सेवा नारायण सेवा को समर्पित कर्णनगरी क्षेत्र के निवासियों के लिए वरदान रूप श्री आत्म मनोहर जैन चैरिटेबल अस्पताल में सभी प्रकार के रंगीन अल्ट्रासाउंड करने के लिए फिलिप्स कंपनी की अफिनिटी 50 मॉडल मशीन का शुभारंभ संस्थान प्रेरक भारत संत गौरव श्री पीयूष मुनि जी महाराज तथा वात्सल्यमूर्ति महासाध्वी श्री प्रमिला जी महाराज के पावन सान्निध्य में रेडियोलॉजिस्ट डा. अमित कुमार द्वारा इस चिकित्सा सेवा के लाभार्थी पीसी राइस मिल, तरावड़ी परिवार की सुमन गुप्ता तथा सुपुत्र आशीष गुप्ता के करकमलों से संपन्न हुआ। इस सुअवसर पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डा.नवीन गुप्ता, डिप्टी सीएमओ पीएनडीटी डा. शीनू चौधरी, डा. मोहन लाल गर्ग, अनीता जैन, अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. राकेश मित्तल एवं सभी चिकित्सकगण उपस्थित रहे और प्रसाद बांटा गया। प्रबंधन ने बताया कि उच्च गुणवत्ता वाली मशीन के द्वारा बाजार से कम दाम पर स्वास्थ्य जांच सुविधा उपलब्ध रहेगी।

साक्षात्कार सफलता की रणनीति पर कार्यशाला आयोजित

राजकुमार प्रिंस

करनाल। गुरु नानक खालसा कॉलेज के आईक्यूएसी और वाणिज्य विभाग तथा प्लेसमेंट सैल द्वारा समझौता ज्ञापन के तहत रोजगार के अवसर और साक्षात्कार सफलता की रणनीति के बारे में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। बाबू अनंत राम जनता कॉलेज कौल और डीएवी कॉलेज पेहवा के संयुक्त तत्वाधान से आयोजित इस कार्यशाला में दयाल सिंह कॉलेज करनाल के वाणिज्य विभाग की अध्यक्षा डा. मुक्ता जैन ने मुख्य वक्ता की भूमिका निभाई। जनता कॉलेज कौल के प्राचार्य डा. ऋषिपाल ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया, जबकि मंच का संचालन प्रो. चेष्टा अरोड़ा ने सफलतापूर्वक किया और विषय की उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश डाला।

'निरोग रहने के लिए योग है सर्वश्रेष्ठ साधन'

राजकुमार प्रिंस

करनाल। योग गुरु दिनेश गुलाटी स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने और उन में योग के प्रति रुचि पैदा करने के लिए का कार्य पिछले 20 वर्षों से निरंतर कर रहे हैं और वे इसमें सफल भी रहे हैं। उनके द्वारा चलाए जा रहे मेरा मिशन स्वस्थ भारत के अंतर्गत वे आज प्रातः तिकोना पार्क सेक्टर 6 कक्षा में पहुंचे और यहां योग साधकों को योग सत्र करवाया। सभी ने उत्साहपूर्वक योगिक क्रियाओं आसन और प्राणायाम का अभ्यास किया। योग शिक्षक देवेश भाटिया, रीटा कुमारी और ममता धवन ने भी साधकों को कुछ आसनों का अभ्यास करवाया। इस दौरान दिनेश गुलाटी ने कहा कि समाज को योग के प्रति जागरूक करने की दिशा में उनके प्रयास हमेशा जारी रहेंगे। स्वस्थ और निरोग रहने के लिए जिंदगी में योग का बहुत महत्व है। दिनेश गुलाटी ने बताया कि योग स्वास्थ्य की कुंजी है और निरोग रहने का सर्वश्रेष्ठ साधन है। उन्होंने कहा कि प्राणायाम के द्वारा हम अपनी श्वासों का विस्तार कर सकते हैं अपनी सांसों पर नियंत्रण कर सकते हैं।

और गहरी श्वास के साथ प्राणायाम करने से शरीर के सभी अंदरूनी अंग स्वस्थ होते हैं, शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है और शरीर ऊजार्वान बनता है कक्षा में योग साधकों ने सूर्य नमस्कार का विधिवत अभ्यास किया। इस अवसर पर योग प्रतिदिन की भांति बहुत से योग साधक कक्षा में ममता धवन, सीमा, ज्योति, कुमकुम, सुरजीत, सुमन अरोड़ा, नमिता, रीता, प्रवीण, रिचा, निधि गुलाटी, रेखा, वीना, अनु, भूपेंद्र चंद्र अरोड़ा, राकेश, राजन भाटिया, गोकुल, गौरव, संजय और रजत चोपड़ा मौजूद रहे।

राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान डेरी क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर रहा है: डा. आर.एस

राजकुमार प्रिंस

करनाल। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान का 20वां दीक्षांत समारोह आज संस्थान के डा. डी. सुन्दरसेन सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पदम भूषण डा. आर.एस. परोदा, पूर्व सचिव (डेयरी) तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं टास के अध्यक्ष ने दीक्षांत भाषण दिया। 20वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर कुल 278 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं जिनमें से 49 विद्यार्थियों को बी. टेक की डिग्री, 127 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर की डिग्री तथा 102 शोधकताओं को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में संस्थान के निदेशक एवं कुलपति, मानद् विश्वविद्यालय, डा. धीर सिंह ने बताया कि भाकृअनुप-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल उत्तम नस्ल के गोवंश एवं भैंसों को तैयार करने की दिशा में उन्नत कटिंग ऐज प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कार्य कर रहा है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्हें नौकरी के बजाय उद्यमी बनने की सलाह दी। डॉ. सिंह ने कहा कि संस्थान मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए बी.टेक (डेरी प्रौद्योगिकी) की डिग्री के साथ-साथ 14 विषयों में स्नातकोत्तर तथा 14 ही विषयों में पीएचडी की डिग्रियाँ विद्यार्थियों को प्रदान करता है। डा. सिंह ने अपने संबोधन ने आगे कहा कि संस्थान ने अब तक 85 पेटेंट फाइल किए हैं, जिसमें से उसे 49 प्रदान किए जा चुके हैं। संस्थान रोगों के नियंत्रण के माध्यम से प्रति पशु दुग्ध उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रहा है। डा. धीर सिंह ने यह भी बताया कि विगत वर्ष 100 से अधिक विद्यार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अभी हाल में ही विस्तार के क्षेत्र में कार्य करते हुए संस्थान ने कल्याणी, पश्चिम बंगाल और झारखंड जैसे इलाकों में डेरी मेला का आयोजन किया जिसमें हजारों की संख्या में पशुपालक एवं पशुप्रेमी सम्मिलित हुए। अपने दीक्षांत संबोधन में बोलते हुए डा. आर.एस.परोदा ने कहा कि राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान डेरी क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर रहा है। संस्थान की तारीफ करते हुए उन्होंने बताया कि इस संस्थान ने अथक प्रयास के पश्चात ही सभी राज्य कृषि विश्व विद्यालयों से अनेक वर्षों तक प्रथम स्थान प्राप्त किया। कृषि एवं डेरी क्षेत्र के लिए पोषण सुरक्षा को महत्वपर्ण चुनौती बताते हुए उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में तो हम काफी आगे आ गए हैं किन्तु अभी भी पोषण सुरक्षा के क्षेत्र में बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत के सतरंगी क्रांति पर चर्चा के अनुक्रम में किए गए कार्य का ही परिणाम है कि आज भारत वैश्विक औसत दुग्ध उपलब्धता से काफी आगे निकल आया है और आज यहां प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 400 ग्राम से अधिक है।

पेमेंट भुगतान न होने से नाराज निजी अस्पतालों ने दिया अल्टीमेटम

राजकुमार प्रिंस

करनाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना की गरीब आदमी को मनपसंद हॉस्पिटल में इलाज करवा सके इसके लिए आयुष्मान योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत जो भी गरीबी रेखा में आते हैं, वह अपना इलाज किसी भी निजी अस्पताल में करवा सकते हैं। अब इस सरकारी योजना को अधिकारियों की वजह से नुकसान होने वाला है। अधिकारियों की अनदेखी के कारण लगभग हरियाणा के अस्पताल के 300 करोड़ रुपए बकाया हैं, जो कि सरकार ने हरियाणा के अस्पताल को दिए ही नहीं। निजी अस्पतालों को सरकार द्वारा आयुष्मान योजना के तहत बकाया राशि का भुगतान न करने में बिक्री डॉक्टर ने आज शुक्रवार को आईएमए के बैनर के तले रोज व्यक्त करते हुए चेतावनी दी कि 15 मार्च तक भुगतान नहीं हुआ तो आयुष्मान योजना के लाभार्थियों का इलाज नहीं करेंगे। स्टेट आईएमए द्वारा बैठक कर बताया कि पिछले 6 महीने से विभाग द्वारा उनके हॉस्पिटलों के पैसे नहीं दिए जा रहे हैं, जबकि अधिकारियों को बार-बार कहा गया है। कहा गया है उनके द्वारा जो भी बिल दिए जाते हैं, उसमें भारी कटौती कर दी जाती है। उनका कहना है कि अब निजी स्तर आयुष्मान योजना के तहत 16 मार्च से कोई भी इलाज नहीं करेंगे।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने की विभिन्न स्कॉलरशिप की घोषणा

टीम एक्शन इंडिया

पलवल: परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने अप्रैल 2024 में शुरू होने वाले अपने नए सत्र की शुरूआत से पहले छात्रों को डॉक्टर और इंजीनियर बनने के सपने को साकार करने में सक्षम बनाने के लिए अलग-अलग स्कॉलरशिप की घोषणा की है।

पहली छात्रवृत्ति इंस्टेंट एडमिशन कम स्कॉलरशिप टेस्ट (आईएसीएसटी) है, जो मेडिकल, इंजीनियरिंग और फाउंडेशन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 90% तक छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, आकाश शहीदों के बच्चों, रक्षा कर्मियों और आतंकवाद प्रभावित व्यक्तियों को विशेष छूट प्रदान करेगा।

15 करोड़ 21 लाख रुपये की राशि से होंगे कार्य: अभिषेक

राजकुमार प्रिंस

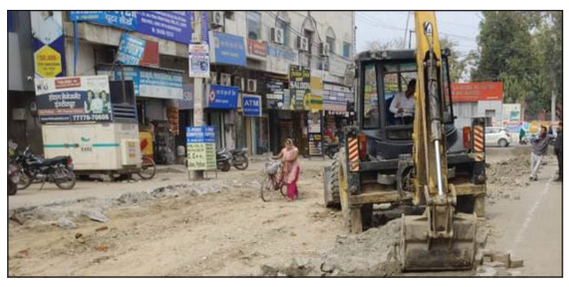

करनाल। शहरवासियों को विकास कार्यों की सौगात मिलेगी। इसके लिए नगर निगम की ओर से अनेक कार्यों के वर्क ऑर्डर जारी किए गए हैं तथा कुछ कार्य शुरू हो चुके हैं। इन सभी विकास कार्यों पर अनुमानित 15 करोड़ 21 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। निगमायुक्त ने विकास कार्यों की जानकारी देते बताया कि सैक्टर 6-7 डिवाईडिंग रोड की विशेष मरम्मत का कार्य शुरू हो चुका है। इस सडक पर बिटुमिन की मजबूत परत बिछाई जाएगी। इस पर अनुमानित 82 लाख 67 हजार रुपये की राशि खर्च की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार सैक्टर 4-5 डिवाईडिंग रोड की भी विशेष मरम्मत करवाई जाएगी। इस पर अनुमानित 84 लाख 38 हजार रुपये की राशि खर्च होगी। इसके अतिरिक्त काछवा रोड रेलवे फ्लाईओवर के नीचे नए पार्क का निर्माण किया जाएगा। इस पार्क पर अनुमानित 50 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। पार्क के अंदर ट्रैक, ओपन एयर जिम तथा झूले इत्यादि कार्य करवाए जाएंगे। इन कार्यों के हुए वर्क ऑर्डर जारी- उन्होंने बताया कि गांव कैलाश स्थित हॉकी स्टेडियम के साथ लगती खाली भूमि पर कबड्डी हाल का निर्माण किया जाएगा। यह हाल अनुमानित 2 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से तैयार होगा। सम्बंधित एजेंसी को इसके निर्माण के लिए वर्क आर्डर जारी कर दिया गया है। आगामी छः माह में यह पूर्ण होगा।

जिला बाल संरक्षण की टीम ने दी पोक्सो एक्ट, बाल तस्करी कानून की जानकारी

राजकुमार प्रिंस

करनाल। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी राजबाला मोर के मार्गदर्शन में बाल संरक्षण कार्यालय के सौजन्य से जागरुकता अभियान के तहत तपन पुनर्वास केंद्र, नीलोखेड़ी, करनाल में पोक्सो एक्ट 2012, किशोर न्याय अधिनियम, साइबर क्राइम तथा बाल तस्करी कानून की जानकारी दी गई। संरक्षण अधिकारी सुमन नैन व पूनम श्योरायण ने जानकारी देते हुए बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत यह यूनिट 0-18 वर्ष तक के जरुरतमंद व बेसहारा बच्चों के हित तथा सुरक्षा के लिए काम करती है तथा विभाग द्वारा चलाई जा रही स्कीमों स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर इत्यादि स्कीमों की जानकारी दी जाती है। उन्होंने बच्चों से आह्वान करते हुए कहा गया कि अपनी चुप्पी को तोड़ें और अपने अधिकारों के प्रति जागरुक हों। स्कूलों में बच्चों को दुराचार, अत्याचार व यौन शोषण का शिकार होने तथा बचने के लिए पोक्सो एक्ट 2012 की जानकारी दी गई तथा बताया गया कि इस एक्ट का मुख्य उद्देश्य 0-18 वर्ष तक के बच्चों को शारीरिक शोषण व यौन शोषण से बचने और यौन शोषण के खिलाफ सजा के प्रावधान के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि ऐसे अपराध करने वालों को उम्र कैद की सजा हो सकती है। बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों को जानकारी देते हुए यह भी बताया गया कि बच्चों के साथ यदि किसी भी प्रकार का शोषण किया जा रहा हो तो वह चाईल्ड हैल्प लाईन नं0 1098, 112 तथा जिला बाल संरक्षण कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं। शिविर के दौरान संस्थागत संरक्षण अधिकारी द्वारा बच्चों को महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत चल रही विभिन्न स्कीमों जैसे स्पॉन्सरशिप स्कीम, फोस्टर केयर, एडॉप्शन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ इत्यादि के विषय में जागरूक किया गया तथा इसके साथ-साथ बाल श्रम और भिक्षावृत्ति के विषय में भी जागरूक किया गया। तपन पुनर्वास केंद्र की निदेशक डॉ. सुजाता ने जिला बाल संरक्षण कार्यालय से सुमन नैन व पूनम श्योरायण का धन्यवाद करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चे बाल यौन शोषण घटना से संबंधित कोई भी जानकारी बताने में सक्षम नहीं होते हैं इसलिए माता-पिता एवं शिक्षकों के लिए इस तरह के विषय पर जागरूकता शिविर बहुत लाभकरारी होते हैं जो कि बहुत ही संवेदनशील विषय हैं। उन्होंने पुनर्वास केंद्र के स्टाफ को जानकारी देते हुए कहा कि हमें हमेशा बच्चों के साथ प्रेम व सौहार्द पूर्ण वातावरण अनुसार व्यवहार करते हुए बच्चों व उनके अभिभावकों को शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए।

एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा भेंट किया गया शादी का सामान

राजकुमार प्रिंस

करनाल। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया जहां एक तरफ अवेयरनेस अगेंस्ट करप्शन के लिए देशभर में विशेष भूमिका निभा रहा है, वही दूसरी ओर समाजसेवा के क्षेत्र में भी नए मुकाम हासिल कर रहा है। इसी कड़ी में प्रोजेक्ट इंचार्ज इंटरनेशनल प्रेजिडेंट राजेश गर्ग एवं राष्ट्रीय मुख्य निदेशक महिला प्रकोष्ठ राखी गर्ग के निवास सेक्टर-7 में कार्यक्रम आयोजित कर जरुरतमंद कन्या के लिए शादी का सामान भेंट किया गया। शादी की जरुरत का सम्पूर्ण सामान परिवार को भेंट किया गया। यह चैरिटी प्रोजेक्ट स्वर्गीय जयपाल गर्ग की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया। इस प्रोजेक्ट में नैशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा, राष्ट्रीय महासचिव पवन शर्मा एवं राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष डॉ निशा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर राखी गर्ग ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार जरुरतमंद लोगों की सहायता करनी चाहिए।

रसोई में छुपा है सेहत का खजाना

आधुनिक किचन में भी सेहत का खजाना छुपा है। चरक संहिता ने देश में पैदा होने वाली हर वनस्पति को औषधि माना है। यह और बात है कि हम उगने वाली कई सब्जियों और मसालों को कई कारणों से अपने आहार में शामिल नहीं कर पाते। मसलन लहसुन और प्याज अनेक धार्मिक समुदायों में वर्जित मानकर नहीं खाया जाता। लहसुन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित किया जा सकता है, यह आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मान चुका है। भारतीय आहार में सदियों से शामिल नमक से लेकर राई, जीरा, हल्दी, धनिया, मैथीदाना जैसे मसालों के चिकित्सकीय गुण-दोषों से हम बहुत कम वाकिफहैं। देशी नुस्खों के नाम पर नाक-भौं सिकोड़ने वाले नहीं जानते कि कई असाध्य बीमारियों को केवल खान-पान के बदलाव से ही नियंत्रित किया जा सकता है। उच्च रक्तचाप भी इनमें से एक है, लेकिन जरा रुकिए! बात उतनी सरल भी नहीं है, जितनी दिखाई दे रही है। उच्च रक्तचाप जैसे जिद्दी घोड़े पर सिर्फवैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों से ही लगाम नहीं लगाई जा सकती है।

यह सच है कि खानपान और नियमित कसरतों से रक्तचाप नियंत्रित होता है, लेकिन सिर्फ युवावस्था में ही। समस्या तो तब शुरू होती है, जब आप बुजुर्ग हो जाते हैं। जैसे-जैसे हमारा शरीर बूढ़ा होता जाता है हमारी रक्त नलिकाएँ सख्त होती जाती हैं। उच्च रक्तचाप की समस्या का मुख्य कारण भी यही है यानी रक्त नलिकाओं का सख्त हो जाना। समझने वाली बात यह है कि हमें एक लचीला कार्डियोवैस्कूलर सिस्टम चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो हैल्दी लाइफस्टाइल चाहिए, जब तक आप अपने लिए हैल्दी लाइफस्टाइल की खोज करें तब तक खड़ा अनाज, मैग्नेशियम, विटामिन सी और पोटेशियम की भारी खुराक लेना शुरू कर दें। आप देखिए कि किचन में आपके मतलब का क्या है, मसलन लहसुन, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, फल और केले हैं या नहीं, यदि नहीं हैं तो आप इन्हें मँगवा लें, क्योंकि हम अब आपके लिए उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण का कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं।

मैग्नेशियम

300 से 500 मिलीग्राम मैग्नेशियम प्रतिदिन खाना चाहिए। इसके दो विकल्प हैं, या तो आप भरपूर हरी पत्तेदार सब्जियाँ खाएँ या फिर इसकी गोलियाँ ले लें।

हेल्थ प्लस

मैग्नेशियम क्या करेगा? रक्त नलिकाएँ नर्म मांसपेशियों के बीच रहती है। मैग्नेशियम मांसपेशियों को शिथिल करता है। जब मांसपेशियाँ शिथिल होती हैं तो रक्तनलिकाओं को फैलने का अवसर मिल जाता है। इससे स्वत: रक्तचाप नियंत्रित होता है। अधिकांश लोगों में मैग्नेशियम की कमी पाई जाती है, जबकि इलाज आपके किचन में मौजूद है।

पोटेशियम

केला पोटेशियम का बड़ा स्त्रोत है। आप याद कीजिए कि केला आपने कब खाया था। आमतौर पर वजन पर नजर रखने वाले केले से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन वे भूल जाते हैं कि यह कितना महत्वपूर्ण है। यदि आप पहले से ही उच्च रक्तचाप के मरीज हैं और चिकित्सक की सलाह पर दवाएँ ले रहे हैं तो जान लीजिए कि चिकित्सक ने आपको पोटेशियम की खुराक पर्चे पर लिखी होगी। यदि गोलियों के रूप में पोटेशियम नहीं खाना चाहते हैं तो आपको हरी सब्जियों और केले की खुराक बढ़ा देना चाहिए। किडनी के मरीजों को पोटेशियम की खुराक लेने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लेना चाहिए, क्योंकि हो सकता है कि उन्हें मूत्रवर्धक दवाएँ दी जा रही हों।

नमक

किचन का सबसे बड़ा दोस्त नमक है, जो उच्च रक्तचाप के रोगियों का उतना ही बड़ा दुश्मन है। नमक की रोजाना की खुराक में नियमित कमी करें। नमक कम करने का सबसे अच्छा उपाय है पैकेज्ड फूड से तौबा करना। अचार, पापड़, चाइनीज फूड सभी में नमक अधिकता से वापरा जाता है। किचन में ऑर्गेनिक फूड साल्ट ले आएँ। सब्जियाँ या दालें जब पक जाएँ, तब ऑर्गेनिक फूड साल्ट डालें। भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए रसदार फलों का प्रयोग शुरू करें, मसलन मौसंबी, नीबू, चकोतरा आदि। कच्चा नमक बंद कर दें। सब्जी या दाल में नमक कम लगे, तब भी कम से ही काम चला लें।

लहसुन

लहसुन खूब खाएँ, लेकिन कच्चा हो तो बेहतर। वजह यह है कि लहसुन को पकाने पर इसमें मौजूद 'एलिसिन' कम हो जाता है। जाहिर है कि यदि आप खूब सारा कच्चा लहसुन खाएँगे तो आपके पास बैठने वाले दोस्तों की संख्या कम ही रहेगी। खैर, यदि आप लहसुन के कैप्सूल ले रहे हों तो आपको चिकित्सक की सलाह मानना चाहिए। लहसुन ही क्यों तो इसका जवाब है कि अनेक शोधों से तय हुआ है कि इससे रक्तचाप कम होता है। यदि आप मधुमेह के रोगी हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि लहसुन से रक्तशर्करा भी घटती है। इसलिए मधुमेह के रोगियों को लहसुन की वैकल्पिक चिकित्सा के दौरान उच्च रक्तचाप की मॉनिटरिंग भी करनी चाहिए। यदि आपने हैल्दी लाइफस्टाइल जीने का मन बना ही लिया है तो खड़े अनाज का आहार भी शुरू कर दिया होगा। यदि नहीं तो आप कई महत्वपूर्ण पौष्टिक तत्वों से महरूम हो रहे होंगे, जो आपके लिए निहायत जरूरी है।

क्या करें जब...

परिस्थितियाँ कभी भी कहकर नहीं आती हैं। बच्चे की सामान्य देखभाल में पूरा ध्यान देने के बाद भी कई बार आप ऐसी स्थिति में उलझ जाते हैं, जब परिस्थिति से निपटने का साध न आपको मालूम होना चाहिए। इस लेख का उद्देश्य यही है कि जब आकस्मिक स्थितियों से आपका सामना हो तो आपको क्या करना चाहिए।

बच्चे को तेज बुखार हों

टेपिड स्पंजिंग अर्थात सामान्य नल के पानी अथवा हलके कुनकुने पानी से बच्चे के शरीर को पोंछें। अक्सर पालक बच्चे के सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रख देते हैं, जो गलत होता है। तेज बुखार की अवस्था में बच्चे के कपड़े उतारकर पूरे शरीर को गीले कपड़े से पोंछें।

जब कोई पालतू या आवारा जानवर बच्चे को काट ले

- यदि काटे गए स्थान से खून बह रहा हो तो सबसे पहले उसे रोकें। इसके लिए उस जगह को सख्ती से दबाकर रखें। उसके बाद घाव को 10 मिनट तक साबुन और पानी से खूब अच्छी तरह से धोएँ। यह सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- इसके बाद डॉक्टर को दिखाकर उनसे समझ लें कि बच्चे को किसी तरह के टीकाकरण की आवश्यकता है या नहीं?

बच्चा कोई जहरीला पदार्थ छू या चख ले

- सबसे पहले उस जहरीले पदार्थ-को बच्चे के मुँह में से या शरीर पर से निकालने की कोशिश करें। यदि बच्चे की समझ अच्छी है तो उसे थूकने को कहें या मुँह में उँगली डालकर निकालने की कोशिश करें।
- इसके बाद यदि संभव हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से फोन पर सलाह लें कि उसे उल्टी करवाना ठीक है या नहीं। याद रखें सभी जहरीले पदार्थ को उल्टी करवाकर उसे निकालना ठीक नहीं होता है विशेष तौर पर बच्चे ने यदि एसिड अथवा बर्तन साफकरने का लिक्विड पी लिया हो तो उसे उल्टी नहीं करवाना चाहिए।
- यदि जहरीला पदार्थ शरीर से छू रहा है तो कपड़े हटाकर उसे पानी से अच्छी तरह से धोएँ। जो भी जहरीला पदार्थ उसने उल्टी में निकाला हो अथवा आपको मालूम हो कि उसने जो खाया है तो उसे संभालकर रखें। इसके तुरंत बाद बच्चे को अस्पताल ले जाएँ।

जब बच्चे को डायपर रैश हो रहे हों

- सबसे महत्वपूर्ण है शिशु की नैप्पी गंदी होते ही तुरंत बदल दी जाए।
- डिस्पोजेबल डायपर के बजाय कपड़े की नैप्पी का प्रयोग अधिक करें।
- बाहर आते-जाते समय भी शिशु को कपड़े की नैप्पी पहनाएँ एवं उसके ऊपर प्लास्टिक का कवर लगाएँ। नैप्पी के गीला होने पर उसे तुरंत बदलें।
- शिशु के मल-मूत्र विसर्जन करने के बाद उसके निचले हिस्से को पानी से धोयें लेकिन उस पर साबुन न लगाएँ।
- जब तक शिशु की त्वचा पूरी तरह सूख न जाए दूसरा डायपर न पहनाएँ।
- डायपर को शरीर पर थोड़ा ढीला बाँधें।
- कपड़े के डायपर को साबुन/डिटर्जेंट से धोने के बाद कम से कम 3-4 बार सिर्फ साफ पानी से धोएँ ताकि साबुन पूरी तरह से निकल जाए।
- शिशु की कपड़े की नैप्पी को धोने के बाद प्रेस करें तो बेहतर होगा। प्रेस करने से नैप्पी में मौजूद नमी स्वत: ही खत्म हो जाएगी।
- शिशु को कुछ समय के लिए बगैर नैप्पी के रहने दें। हवा लगने पर रैश जल्दी ठीक होंगे। टैल्कम पावडर का उपयोग न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 2020

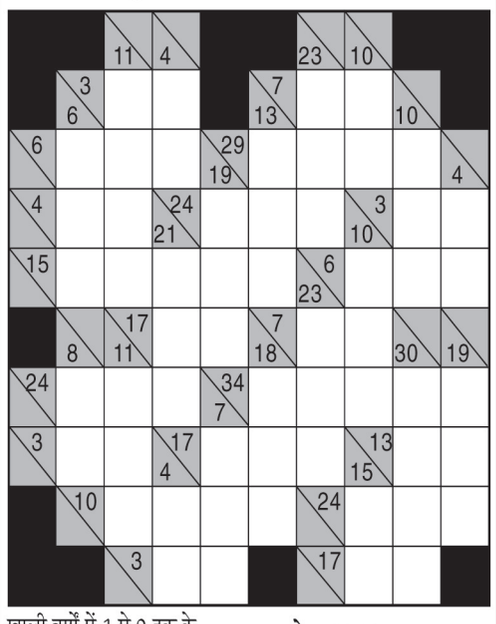

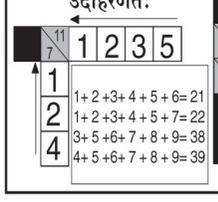

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11 / 7 : 1 2 3 5 ; 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2019 का हल

लॉफिंग जौक

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

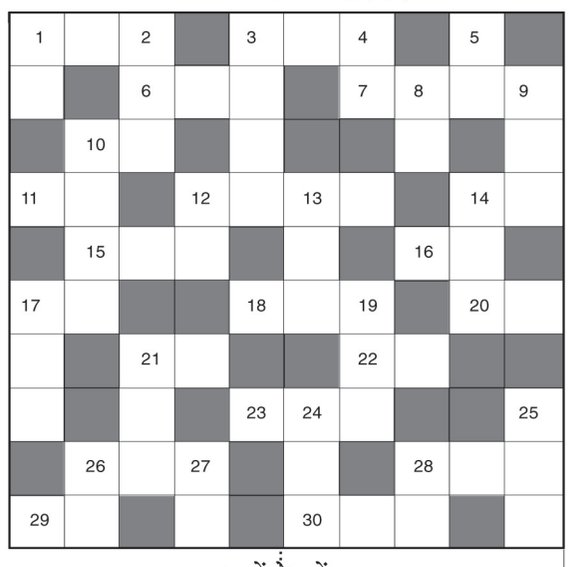

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2020

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुध्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2019

सं	गी	त		भा	भी		दी	दा	र
ग्रा		ह	स्ती		गी	ता		स्ता	
म	ह	ल		ही	रा		जा	न	म
		का	श		त	मि	ल		न
शो	ले		गु	ड्डु		थु			मौ
र		शा	न		जा	न	की	बा	जी
	डॉ	न		स	नी			द	
क		दा	सी		दु		स	ल	मा
सौ		र		दु	श्म	न			चि
टी	ना		माँ		न		पा	र	स

सूडोकु -2020

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में व 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -2019 का हल

शब्द पहेली - 2020

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2019 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

IPL में बाबर आजम, शाहीन अफरीदी... हरभजन सिंह ने उड़ाई PAK फैन की खिल्ली- सपना देखना बंद करो

नई दिल्ली.एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेटरों के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एंट्री तो 2008 के बाद ही बंद हो गई थी। आईपीएल का पहला सीजन 2008 में खेला गया था, जिसमें पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया था। इसके बाद 2008 में मुंबई में 9/11 आतंकी हमला हुआ। जिसके बाद से पाकिस्तानी क्रिकेटरों की दुनिया की सबसे अमीर टी20 लीग में एंट्री पर भी बैन लग गया। पाकिस्तान के एक ट्विटर (अब X) यूजर ने लिखा कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) में विराट कोहली और बाबर आजम साथ, मुंबई इंडियंस में शाहीन अफरीदी और जसप्रीत बुमराह साथ और चेन्नई सुपरकिंग्स में मोहम्मद रिजवान और महेंद्र सिंह धोनी साथ होने का सपना कई भारतीय और पाकिस्तानी क्रिकेट फैन्स का सपना है। इस पर जवाब देने पहुंचे हरभजन सिंह और उनका जवाब कुछ ही मिनटों में वायरल हो गया।अली राजा आलम- क्रिकेटर नाम के एक ट्विटर यूजर ने तीन तस्वीरें शेयर की हैं, जो एआई (आर्टिफिशियल) से बनाई गई लग रही हैं। तीन तस्वीरों में से एक में बाबर आजम आरसीबी की जर्सी में विराट कोहली के साथ नजर आ रहे हैं, दूसरी फोटो में मुंबई इंडियंस की जर्सी में शाहीन अफरीदी और जसप्रीत बुमराह साथ नजर आ रहे हैं और तीसरी फोटो में मोहम्मद रिजवान चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की जर्सी में नजर आ रहे हैं।इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अली राजा आलम ने लिखा, कई पाकिस्तानी और भारतीय क्रिकेट फैन्स का सपना। इस ट्वीट में राजा आलम ने हरभजन सिंह को ट्वीट करके लगता है गलती कर दी। हरभजन सिंह ने इस ट्वीट पर जवाब में लिखा, किसी भारतीय का ऐसा कोई सपना नहीं है... तुम लोग सपना देखना बंद करो और अब तो जाग जाओ...आईपीएल 2024 का आगाज 22 मार्च को होना है। आईपीएल 2023 का खिताब चेन्नई सुपरकिंग्स ने जीता था। सीएसके डिफेंडिंग चैंपियन है और एक बार फिर टीम की कमान संभालते नजर आने वाले हैं महेंद्र सिंह धोनी।

धवल कुलकर्णी के बर्थडे पर सचिन तेंदुलकर ने किया था रणजी डेब्यू, ये आंकड़ा देख क्रिकेट के भगवान भी चौंके

नई दिल्ली.एजेंसी

मुंबई ने आठ साल का इंतजार खत्म करते हुए अपना ही रिकॉर्ड बेहतर करके 42वीं बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीता। फाइनल के पांचवें और आखिरी दिन मेजबान ने विदर्भ को 169 रन से हराया। मुंबई के धवल कुलकर्णी ने उमेश यादव को आउट करके विदर्भ की पारी का अंत किया। इसके साथ ही भारतीय तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। धवल कुलकर्णी के संन्यास पर तमाम दिग्गज क्रिकेटरों ने शानदार करियर के लिए बधाई दी है। सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट करके लिखा, धवल कुलकर्णी को शानदार करियर के लिए बधाई। आपके समर्पण और अनुशासन ने आपको पिछले 15 साल से मुंबई का एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाया। ये भी अच्छा रहा कि आपने विदर्भ के खिलाफ आज अंतिम विकेट हासिल करके अपने शानदार रणजी करियर का समापन किया क्रिकेट के बाद आपके जीवन के लिए शुभकामनाएं।

इस बीच फेमस स्टैट्समैन मोहनदास मेनन ने एक्स पर सचिन तेंदुलकर और धवल कुलकर्णी से जुड़ा एक आंकड़ा शेयर किया है, जिसे देखने के बाद सचिन भी यकीन नहीं कर पाए और धवल कुलकर्णी की तारीफ करते हुए दिखे। मोहनदास मेनन ने एक्स पर लिखा, क्या आप जानते हैं? सचिन तेंदुलकर का फाइनल रणजी ट्रॉफी मैच हरियाणा में अक्टूबर 2013 में लाहिल में था। वह चौथी पारी में धवल कुलकर्णी के साथ महत्वपूर्ण नाबाद 50 रन की साझेदारी में शामिल थे, जिससे मुंबई ने 4 विकेट से जीत हासिल की! कुलकर्णी का जन्म 10 दिसंबर 1988 को हुआ था और उसी दिन 15 साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर ने रणजी डेब्यू किया।इस आंकड़े को देख सचिन खुद को कमेंट करने से नहीं रोक सके।

भारत में कैसे गाड़ी चलाते हैं...आर अश्विन ने कुछ इस अंदाज में उड़ाई इंग्लैंड के बैजबॉल की खिल्ली

नई दिल्ली. इंग्लैंड के लिए भारत दौरा किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। 5 मैच की इस सीरीज का पहला मुकाबला जीतने के बावजूद इंग्लिश टीम को यह सीरीज 1-4 से गंवानी पड़ी। टीम ने हैदराबाद टेस्ट जीतकर जरूर सीरीज का जोरदार आगाज किया, मगर अगले तीन मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सीरीज गंवाने के बाद हेड कोच ब्रेंडन मैक्कलम ने भी माना की भारत दौरे पर उनकी टीम की पोल खुल गई। वहीं बैजबॉल युग में इंग्लैंड ने पहली बार सीरीज भी गंवाई। इस सीरीज का आकलन करते हुए भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने शानदार उदहारण दिया। उन्होंने इंग्लैंड के बैजबॉल की तुलना भारत और इंग्लैंड के हाइवे से की। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा-अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, टेस्ट क्रिकेट या कोई भी क्रिकेट का अन्य फॉर्मेट, रनवे पर हवाई जहाज की तरह नहीं खेला जा सकता है। जब तक हम उड़ान नहीं भर लेते तब तक हम पैडल पर कदम रखकर गति नहीं बढ़ा सकते। यह हाइवे पर गाड़ी चलाने जैसा

ही है। कभी-कभी, जब मैं इसके बारे में सोचता हूं, तो क्या इसका कारण यह है कि वे इंग्लैंड में कैसे गाड़ी चलाते हैं? इंग्लैंड में ड्राइविंग आनंददायक है। बीच में कोई नहीं आता। आप एक ही लेन में गाड़ी चलाना जारी रख सकते हैं। हम बाईं ओर से आगे नहीं निकल सकते। वे कभी भी अप्रत्याशित चीजों की उम्मीद नहीं करते। यदि वे कुछ अप्रत्याशित देखते हैं, तो वे दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। मुझे लगता है कि अगर वे देखेंगे कि हम भारत में कैसे गाड़ी चलाते हैं तो वे बहुत भ्रमित हो जाएंगे।

भारत में आप हमेशा चौथे गियर में गाड़ी नहीं चला सकते। हम गियर बदलते रहते हैं। हम हमेशा एक पैर ब्रेक पर रखते हैं। यह कॉन्सेप्ट उनके लिए नया है। क्रॉली को हमेशा शुरुआत मिलती है, लेकिन वह इसे जारी नहीं रख पाते। बैजबॉल विरोधियों पर दबाव ट्रांसफर करने के बारे में है। लेकिन दबाव के ट्रांसफर के बाद क्या होता है? उन्हें ऐसा होना चाहिए, हमें उन्हें भुगतान करना होगा! यदि वे ऐसा करने में सफल हो जाते हैं, तो खेल जारी है। हमारे अनुभवहीनता के कारण यह सीरीज उनके अनुसार चल सकती थी। उनके पास बहुत बड़ा मौका था। यहां आने से पहले उन्होंने एशेज सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद 2-2 की बराबरी की थी। फिर उन्होंने पाकिस्तान को उसके घर में लूटा, लेकिन यह हार कुछ ऐसी है जिससे बेन स्टोक्स एंड कंपनी सीख सकती है।

ऐसा क्रिकेट खेलेंगे कि... मुंबई इंडियंस के नए कप्तान हार्दिक पांड्या ने IPL 2024 से पहले भरी हुंकार

नई दिल्ली.एजेंसी Indian Premier League (IPL) 2024 के लिए खिलाड़ियों के ऑक्शन से ठीक पहले एक खबर जो सबसे ज्यादा चर्चा में रही थी, वह थी मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटन्स के बीच हुई ऑल-कैश डील की, जो हार्दिक पांड्या के लिए हुई थी।

गुजरात टाइटन्स की कप्तानी 2022 और 2023 आईपीएल में हार्दिक पांड्या ने की थी। उससे पहले वह मुंबई इंडियंस टीम का ही हिस्सा था। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स ने 2022 आईपीएल खिताब जीता और 2023 आईपीएल में फाइनल तक पहुंचा।

हार्दिक की जब मुंबई इंडियंस में वापसी की थी, तब मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा थे। रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने पांच आईपीएल खिताब भी जीते हैं। ऑक्शन खत्म होने के कुछ दिन बाद मुंबई इंडियंस ने हार्दिक पांड्या को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया, जिस पर काफी विवाद भी हुआ।

सबसे महंगे खिलाड़ी मिचेल स्टार्क से गौतम गंभीर को बड़ी उम्मीदें, कहा- कोई दबाव नहीं होगा वह एक्स फैक्टर है

नई दिल्ली.एजेंसी

आईपीएल के आगामी सीजन को शुरू होने में सिर्फ एक हफ्ते का समय बचा है। आईपीएल 2024 में हिस्सा लेने के लिए खिलाड़ी टीमों के प्री-कैंप से जुड़ने लगे हैं। आगामी सीजन के दौरान कई नए चेहरों पर सबकी नजरें रहेंगी, जबकि कुछ ऐसे लोगों पर भी नजर रहेगी, जिनकी घर वापसी हुई है। इस बार ऋषभ पंत, पैट कमिंस, जसप्रीत बुमराह और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी कमबैक कर रहे हैं। हालांकि गौतम गंभीर और मिचेल स्टार्क पर सबकी नजरें रहेंगी। दोनों की कोलकाता नाइट राइडर्स में वापसी हो रही है। इस साल गंभीर केकेआर के मेंटॉर के रूप में दिखाई देंगेटीम को दोनों से ही काफी ज्यादा उम्मीदें रहेंगी। गभीर से उम्मीद है कि केकेआर को अपना खोया गौरव वापस पाने में मदद मिलेगी। लेकिन मिचेल स्टार्क पर काफी दबाव होगा, जिन पर आईपीएल नीलामी के दौरान पैसों की बारिश हुई थी। वह आईपीएल के इतिहास में 20 करोड़ से अधिक की बोली पार करने वाले दूसरे खिलाड़ी बने थे।

उन्होंने पैट कमिंस को पीछे छोड़ा था। केकेआर ने स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा। 2015 के बाद से स्टार्क ने आईपीएल नहीं खेला हैं। लेकिन जैसे-जैसे हम सीजन की शुरुआत के करीब पहुंच रहे हैं, गंभीर की स्टार्क से उम्मीदें बिल्कुल स्पष्ट हो गई हैं।कोलकाता में गुरुवार को फ्रेंचाइजी से जुड़ने पर गौतम गंभीर ने कहा, मैं ऑक्शन टेबल पर पहले ही कह चुका हैं कि वह (मिचेल स्टार्क) हमारे लिए एक्स फैक्टर है और मुझे यकीन है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। और प्राइस टैग का कोई प्रेशर नहीं है। मुझे उम्मीद है जो उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया है, वही केकेआर के लिए भी करेगा।

रोहित शर्मा ने जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या का करियर बचाया! मुंबई इंडियंस करना चाहती थी रिलीज

नई दिल्ली.एजेंसी

भारत और मुंबई इंडियंस के पूर्व विकेट कीपर पार्थिव पटेल ने हाल ही में जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उनका कहना है कि पहले सीजन के बाद ही मुंबई इंडियंस की टीम जसप्रीत बुमराह को रिलीज करना चाहती थी, मगर रोहित शर्मा के सपोर्ट के चलते बुमराह एमआई का हिस्सा बने रहे। वहीं हार्दिक पांड्या को भी हिटमैन ने उनके करियर की शुरुआत में बैक किया था। बता दें, आईपीएल 2024 का आगाज होने से पहले मुंबई इंडियंस के खेमे में थोड़ा तनाव है। टीम ने रोहित शर्मा से कप्तानी छीनकर हार्दिक पांड्या को टीम की कमान सौंपी है। जब टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला लिया था तो जसप्रीत बुमराह भी इससे खुश नजर नहीं आए थे।पार्थिव पटेल ने जियो सिनेमा से बात करते हुए कहा, ÷रोहित हमेशा खिलाड़ियों के साथ खड़े रहते हैं और इसका सबसे बड़ा उदाहरण जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या हैं। बुमराह 2014 में एमआई में शामिल हुए थे, लेकिन जब उन्होंने 2015 में अपना पहला सीजन खेला, तो यह उनके लिए उतना अच्छा नहीं रहा था। एमआई ने सीजन के बीच में ही बुमराह को बाहर करने का मन बना लिया था लेकिन रोहित को लगा कि यह एक सॉलिड खिलाड़ी है और उन्हें उसे टीम के साथ बनाए रखना चाहिए। और आपने देखा कि कैसे 2016 से लेकर अब तक बुमराह का प्रदर्शन अगले स्तर पर पहुंच गया है।बुमराह हालांकि 2013 में मुंबई इंडियंस में शामिल हुए थे। पहले तीन सीजन में उन्हें 17 मैच खेलने का मौका मिला था जहां उन्होंने सिर्फ 11 विकेट चटकाए थे। लेकिन रोहित का सपोर्ट मिलने के बाद बुमराह पूरी तरह से बदल गए। उन्होंने 2016 में 14 मैचों में 16 विकेट लिए और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

रिकी पोंटिंग को टी20 वर्ल्ड कप 2024 में इंडिया वर्सेस पाकिस्तान मुकाबले का बेसब्री से इंतजार, बोले- उम्मीद है कि...

नई दिल्ली.एजेंसी

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज होने में अब महज कुछ ही महीनों का समय रह गया है। हर बार की तरह इस टूर्नामेंट में भी हर किसी को इंडिया वर्सेस पाकिस्तान मुकाबले का इंतजार है। पिछली बार टी20 वर्ल्ड कप में ये दोनों टीमें भिड़ी थी तो विराट कोहली की हैरतअंगेज पारी के दम पर भारत ने हारी हुई बाजी जीती थी। इस बार भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में खेला जाना है और इस मुकाबले का पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह टूर्नामेंट आने वाले वर्षों में संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट को पनपने में मदद करेगा और अमेरिका में भी मेलबर्न जैसा नजारा देखने को मिलेगा।

इंडिया वर्सेस पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप 2024 का मुकाबला लॉन्ग आईलैंड में नए नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम 9 जून को होगा।पोंटिंग ने द आईसीसी रिव्यू के हालिया एपिसोड में होस्ट संजना गणेशन के साथ न्यूयॉर्क में होने वाले आगामी मैच के बारे में बात की और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज को उम्मीद है कि जून में भी ऐसे ही दृश्य देखने को मिलेंगे जैसा कि उन्होंने लगभग दो साल पहले मेलबर्न में देखा था।

रिकी पोंटिंग ने कहा, मैंने इसे पहली बार यहां ऑस्ट्रेलिया में, मेलबर्न में पिछली बार देखा था, जहां स्टेडियम में 95,000 लोग थे और स्टेडियम के बाहर 50,000 लोग थे। आप कल्पना कर सकते हैं कि न्यूयॉर्क में क्या होने वाला है। तो, विश्व खेल के लिए यह वास्तव में रोमांचक समय है।पिछले टी20 वर्ल्ड कप में जब इन दोनों टीमों की भिड़त हुई थी तो पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 159 रन बोर्ड पर लगाए थे। इस स्कोर का पीछा करते हुए भारत ने महज 31 रन पर अपने 4 विकेट खो दिए थे। उस समय पूरी दुनिया में किसी को उम्मीद नहीं थी कि भारत मैच जीत सकता है। मगर विराट कोहली और हार्दिक पांड्या की साझेदारी ने टीम इंडिया को जीत की राह दिखाई, वहीं किंग कोहली ने नाबाद रहते हुए मैच का अंत किया।

एबी डी विलियर्स ने एमएस धोनी को बताया डीजल इंजन...उनके IPL संन्यास पर कह दी ये बड़ी बात

एबी डी विलियर्स ने कहा क्या यह उनका अंतिम सीजन होगा? कोई नहीं जानता। वह तो बस डीजल इंजन लगते हैं जो कभी खत्म नहीं होता। वह दौड़ते रहते हैं। क्या अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं, क्या अविश्वसनीय कप्तान हैं।

नई दिल्ली.एजेंसी

आईपीएल 2024 का आगाज होने में अब महज कुछ ही दिनों का समय रह गया है, ऐसे में एक बार फिर चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास की खबरों से बाजार गर्म है। पिछले कई सालों से यह अटकलें लगाई जा रही है कि यह धोनी के आईपीएल करियर का आखिरी सीजन हो सकता है..वह इस साल रिटायरमेंट ले सकते हैं, मगर हर बार वह इन अटकलों पर सीजन खत्म होने से पहले विराम लगा देते हैं। 42 साल के माही इस बार रिकॉर्ड 6ठी बार सीएसके को चैंपयिन बनाने के इरादे से उतरेंगे। टीम टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला 22 मार्च को आरसीबी के खिलाफ खेलेगी। इस टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले आरसीबी के पूर्व स्टार खिलाड़ी एबी डी विलियर्स ने भी धोनी के संन्यास पर बड़ा बयान दिया है। डी विलियर्स ने माही को डीजल इंजन बताया है।

साउथ अफ्रीका के लीजेंड एबी डी विलियर्स ने कहा कि धोनी की टीम एक बार खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी।उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, पिछले साल एमएस धोनी के रिटायर होने के बारे में बहुत सारी अफवाहें थीं, देवियों और सज्जनों ऐसा नहीं था। वह फिर वापस आएगा। क्या यह उनका अंतिम सीजन होगा? कोई नहीं जानता।

वह तो बस डीजल इंजन लगते हैं जो कभी खत्म नहीं होता। वह दौड़ते रहते हैं। क्या अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं, क्या अविश्वसनीय कप्तान हैं।डी विलियर्स ने कहा, मेरा मानना है कि यह उनकी उपस्थिति के माध्यम से है, यह एमएसडी के लीडरशिप के माध्यम से है...स्टीफन फ्लेमिंग में एक शांत कोच, रवि जड़ेजा में वरिष्ठ खिलाड़ियों और अन्य लोगों के माध्यम से जिन्होंने वास्तव में इस अविश्वसनीय संस्कृति को जीवित रखा है। वह बहुत ही डराने वाली टीम है। उन्हें हराना कभी आसान नहीं होता।वह साथ ही बोले,एक बहुत ही सफल फ्रेंचाइजी की एक बड़ी विशेषता होती है।

IPL 2024 से पहले दिल्ली कैपिटल्स को लगा एक और बड़ा झटका, लुंगी एनगिडी हुए बाहर; रिप्लेसमेंट का भी हुआ ऐलान

हैरी ब्रूक के बाद साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने उनके रिप्लेसमेंट के रूप में ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क को चुना है।

नई दिल्ली.एजेंसी

IPL 2024 को शुरू होने में अब महज कुछ ही दिनों का समय बचा है, मगर दिल्ली कैपिटल्स की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। हैरी ब्रूक के बाद साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने उनके रिप्लेसमेंट के रूप में ऑस्ट्रेलिया के युवा ऑलराउंडर जेक फ्रेजर-मैकगर्क को चुना है। आईपीएल ने शुक्रवार 15 मार्च को एनगिडी के टूर्नामेंट से बाहर होने की जानकारी दी। डीसी ने जेक को 50 लाख रुपए में अपने स्क्वॉड में शामिल किया है।

आईपीएल द्वारा जारी की गई प्रेस रिलीज में कहा गया है, दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के आगामी संस्करण के लिए लुंगिसानी एनगिडी के रिप्लेसमें के रूप में ऑलराउंडर जेक फ्रेजर-मैकगर्क को नामित किया है। लुंगी एनगिडी, जिन्होंने 14 आईपीएल मैचों में 25 विकेट चटकाए हैं, वह चोट के कारण आईपीएल 2024 से बाहर हो गए हैं। फ्रेजर-मैकगर्क ने ऑस्ट्रेलिया के लिए दो ODI मैच खेले हैं और 50 लाख रुपये की रकम खर्च कर डीसी ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया है।

ब्रूक के टूर्नामेंट से हटने के बाद एनगिडी का चोट के चलते बाहर होना दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक बड़ा झटका है। इंग्लिश बल्लेबाज ने पुष्टि की कि वह पारिवारिक त्रासदी के बाद आईपीएल नहीं खेलेंगे और घर वालों के साथ समय बिताएंगे। ब्रूक ने खुलासा किया कि उसकी दादी की लंबी बीमारी के बाद मृत्यु हो गई थी, और वह अपने परिवार के सदस्यों के करीब रहना चाहते हैं।इन दो विदेशी खिलाड़ियों के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद एनरिक नॉर्टजे और झाय रिचर्डसन की अब प्लेइंग XI में जगह बनती दिख रही है। दोनों फ्रंटलाइन गेंदबाज डीसी की गेंदबाजी की शुरुआत कर विपक्षी टीम को मुश्किल में डाल सकते हैं। हालांकि, नॉर्टजे ने भी सितंबर 2023 के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में पिछले हफ्ते ही वापसी की है।

नॉर्टजे और रिचर्डसन के अलावा, डेविड वॉर्नर, मिशेल मार्श, ट्रिस्टन स्टब्स और अब फ्रेजर-मैकगर्क कैपिटल्स के लिए विदेशी लाइनअप का हिस्सा हैं। डीसी का पहला मैच 23 मार्च को है।

हिमाचल में सुक्खू सरकार के हर निर्णय की बुनियाद में शामिल है

प्रदेशहित-जनहित

संघर्ष की राजनीति से निकले मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू एक योद्धा की तरह स्पष्ट लक्ष्य लेकर दृढ़ संकल्प के साथ मज़बूत कदम आगे बढ़ाते हुए निरन्तर गतिमान हैं। मुख्यमंत्री के हर निर्णय की बुनियाद में प्रदेशहित, जनहित और जनकल्याण शामिल है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उनकी जीवन शैली आम आदमी जैसी है। यह चिन्तनशील, मननशील व्यक्तित्व हिमाचल को वर्ष 2027 तक आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कर्म को पूजा मान कर जन-कल्याण के कार्यों में मगन है।

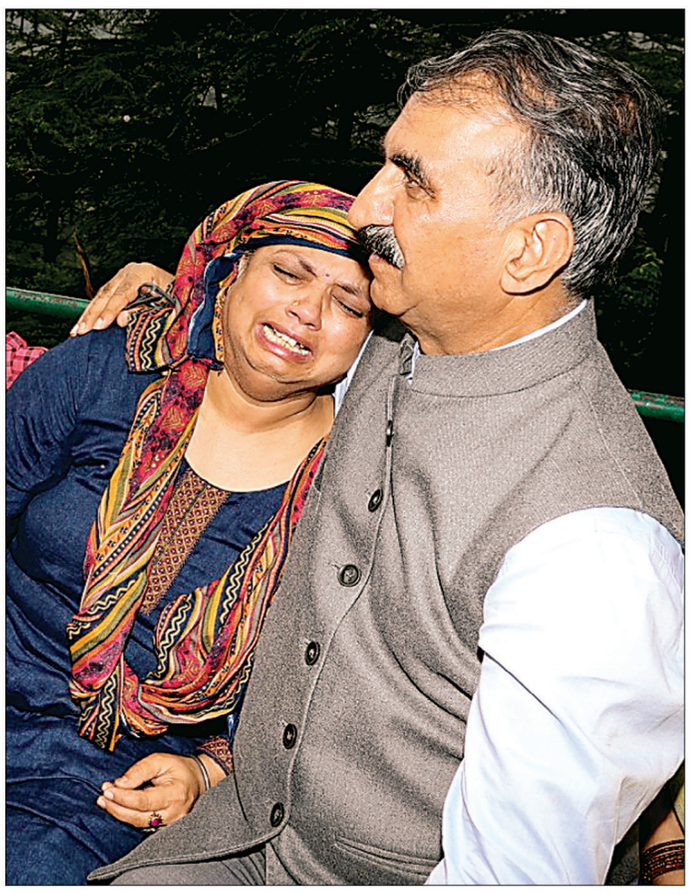

सुक्खू सरकार ने लिए दिल जीतने वाले अनेक निर्णय

मुख्यमंत्री ने यह साबित कर दिया कि वह जो कहते हैं वो करते भी हैं। पार्टी ने प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों से ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने का जो वायदा किया था वह सरकार बनने के बाद मंत्रिमण्डल की पहली ही बैठक में पूरा किया। इस निर्णय से प्रदेश के 1.36 लाख एन.पी.एस. कर्मचारियों व अधिकारियों को सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक जीवन जीने का हक़ मिला। श्री सुक्खू ने अनेक जनहितैषी निर्णय लेकर लोगों का दिल जीत लिया। युवाओं को स्वरोज़गार के अवसर पैदा करने के लिए 680 करोड़ रुपये की स्टार्ट-अप योजना शुरू की। प्रदेश सरकार ने राज्य की पात्र महिलाओं को 1500 रुपये हर माह देने का वायदा भी पूरा कर दिया है। सरकार ने गाय के दूध का समर्थन मूल्य 38 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 45 रुपये व भैंस के दूध का मूल्य 47 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 55 रुपये किया। हिमाचल प्रदेश, दूध का समर्थन मूल्य निर्धारित करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से इंग्लिश मीडियम शुरू किया। प्रदेश के सभी बच्चों को और विशेष रुप से गांवों के बच्चों को लाभ होगा।

आपदा में बने मसीहा

प्रदेश सरकार ने भारी वर्षा के कारण आई आपदा में फंसे लोगों को निकालने के अभियान को पूरा करते हुए लगभग 70,000 पर्यटकों को सुरक्षित निकालकर रवाना किया तथा 15,000 गाड़ियों को वापिस भेजा।

कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी के साथ मुख्यमंत्री ने ज़िला कुल्लू, ज़िला मंडी के द्रंग के दियोरी गांव में आपदा प्रभावित पीड़ितों से मिलकर उनका दु:ख-दर्द बांटा। आपदा से निपटने के लिए उठाए गए कारगर कदमों और सशक्त नेतृत्व के लिए वैश्विक स्तर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू की सराहना की गई। नीति आयोग ने उनके कुशल प्रबंधन की प्रशंसा की तो विश्व बैंक ने प्रदेश सरकार के प्रयासों को अनुकरणीय बताया। पूर्व मुख्यमंत्री श्री शांता कुमार ने भी प्राकृतिक आपदा से निपटने व बेहतर कार्य के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डर्स ने आपदा के दौरान बेहतरीन नेतृत्व के लिए मुख्यमंत्री को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेंस से नवाजा।

प्रदेश में आपदा प्रभावित लोगों की सहायता के लिए आपदा राहत कोष-2023 बनाया गया। प्रदेश में सीमित संसाधनों के बावजूद मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावितों के लिए 4500 करोड़ रुपये का विशेष राहत पैकेज दिया।

ग्रीन स्टेट बनेगा हिमाचल

हिमाचल प्रदेश को मार्च, 2026 तक हरित ऊर्जा राज्य बनाने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आदर्श राज्य के रूप में उभर रहा है। प्रदेश में 6 ग्रीन कॉरिडोर घोषित किए गए हैं, जहां इलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से यातायात सुविधा प्रदान की जाएगी। परिवहन निगम की डीज़ल बसों को इलेक्ट्रिक बसों से बदला जा रहा है। सौर ऊर्जा परियोजनाओं, रूफ टॉप सोलर प्लांट तथा गैर परम्परागत ऊर्जा आधारित निवेश को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। पेखुबेला स्थित 32 मैगावॉट क्षमता वाले हिमाचल के सबसे बड़े सोलर पावर प्रोजैक्ट का शिलान्यास 2 दिसम्बर, 2023 में किया गया था। इसे रिकॉर्ड समय सीमा में निर्मित कर मार्च, 2024 के अंत तक शुरू कर दिया जाएगा। ऊना में अघलोर स्थित 10 मैगावॉट क्षमता वाला सोलर पावर प्लांट जून, 2024 तक बनकर तैयार हो जाएगा। ऊना के भंजाल में 5 मैगावॉट क्षमता वाले सोलर पावर प्रोजैक्ट का सितम्बर, 2024 तक लोकार्पण कर दिया जाएगा।

पर्यटन विकास पर विशेष बल

कांगड़ा को प्रदेश की 'पर्यटन राजधानी' के रूप में विकसित किया जा रहा है। पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार की प्रक्रिया जारी है। कुफरी के नज़दीक हासन घाटी के मशहूर पर्यटन स्थल पर स्काई वॉक ब्रिज बनाया जाएगा। लाहौल-स्पिति में चंद्रताल, काज़ा और तांदी तथा किन्नौर में रकछम और नाको-चांगो-खाब को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा।

ऐतिहासिक निर्णय

भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए कर्मचारी चयन आयोग भंग कर नीतिगत सुधार करते हुए हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग की स्थापना की।

प्रदेश में पहली बार विशेष इंतकाल अदालतों का आयोजन किया, फरवरी 2024 तक इंतकाल के 1,05,839 व तकसीम के 6,965 मामले निपटाए गए।

बेसहारों का सहारा

अनाथ बच्चों व बेसहारा वर्गों को आश्रय प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना आरम्भ की गई। योजना के तहत सरकार ने 4000 अनाथ बच्चों को 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के रूप में अपनाया। हिमाचल प्रदेश अनाथ बच्चों व बेसहारा वर्गों के लिए कानून बनाने वाला देश का पहला राज्य बन गया।

सुक्खू ने दिखाई इच्छा शक्ति-आत्मनिर्भर बनेगा हिमाचल

नई सोच के साथ प्रदेश को जन-कल्याण व विकास की नई बुलंदियों तक पहुंचाने तथा प्रदेश की आर्थिकी को मज़बूत करने के लिए सुक्खू सरकार प्रयासरत है। सरकार का ध्येय हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर, स्वावलम्बी व समृद्ध बनाना है। संसाधन सृजन की दृष्टि से नई आबकारी नीति बनाई गई जिससे 846 करोड़ रुपये का अधिक राजस्व अर्जित किया। इस वर्ष शराब की खुदरा दुकानों की नीलामी से 40 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्त हुआ। सरकारी भूमि की लीज़ अवधि 99 वर्ष से घटाकर 40 वर्ष की।